संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 99
पृष्ठ 8
शुक्रवार
27 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– स्वाद में बेजोड़ होती है .....

विचार– संशोधन से चुनावी ....

खेल– 'कोहली मुझसे गलती से....

इतिहास से वर्तमान तक युवा ऊर्जा ने देश की प्रगति में बड़ी भूमिका निभाई है : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को यहां वीर बाल दिवस कार्यक्रम में भाग लिया और कहा कि इतिहास से लेकर वर्तमान तक युवा ऊर्जा ने हमेशा भारत की प्रगति में बड़ी भूमिका निभाई है। श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने साहिबजादों की अद्वितीय वीरता और बलिदान की याद में वीर बाल दिवस की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि यह दिन अब करोड़ों भारतीयों के लिए राष्ट्रीय प्रेरणा का पर्व बन गया है। इस दिन ने कई बच्चों और युवाओं को अदम्य साहस के लिए प्रेरित किया है। श्री मोदी ने वीरता, नवाचार, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, खेल और कला के क्षेत्र में आज वीर बाल पुरस्कार से सम्मानित किए गए 17 बच्चों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के पुरस्कार विजेता भारत के बच्चों और युवाओं की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने की क्षमता के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर गुरुओं और वीर साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित की और पुरस्कार विजेताओं और उनके परिवारों को बधाई भी दी। वीर साहिबजादों के बलिदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि आज के युवाओं के लिए उनकी वीरता की गाथा को जानना जरूरी है और इसलिए उन घटनाओं को याद करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि तीन शताब्दी पहले आज ही के दिन वीर साहिबजादों ने कम उम्र में अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने कहा कि साहिब जोरावर सिंह और साहिब फतेह सिंह की कम उम्र के बावजूद उनके साहस की कोई सीमा नहीं थी। उन्होंने कहा कि साहिबजादों ने मुगल सल्तनत के सभी प्रलोभनों को ठुकरा दिया, सभी अत्याचारों को सहन किया और वजीर खान द्वारा दिए गए मौत के दंड को पूरी बहादुरी के साथ स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि साहिबजादों ने उन्हें गुरु अर्जन देव, गुरु तेग बहादुर और गुरु गोविंद सिंह की वीरता की याद दिलाई और यह वीरता हमारी आस्था की आध्यात्मिक ताकत थी। उन्होंने कहा कि साहिबजादों ने अपने प्राणों की आहुति देने का विकल्प चुना लेकिन आस्था के मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि वीर बाल दिवस हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, राष्ट्र और राष्ट्रहित से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा, "देश के लिए किया गया हर कार्य वीरता का कार्य है और देश के लिए जीने वाला हर बच्चा और युवा वीर बालक है।" प्रधानमंत्री ने कहा, "इस वर्ष का वीर बाल दिवस और भी विशेष है, क्योंकि यह भारतीय गणतंत्र और हमारे संविधान की स्थापना का 75वां वर्ष है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संविधान के इस 75वें वर्ष में देश का प्रत्येक नागरिक राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए काम करने के लिए वीर साहिबजादों से प्रेरणा ले रहा है। उन्होंने कहा कि देश के मजबूत लोकतंत्र को इस बात पर गर्व है कि यह दिन साहिबजादों की बहादुरी और बलिदान पर बना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारा लोकतंत्र हमें समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान की ओर प्रेरित करता है। श्री मोदी ने कहा, "संविधान हमें सिखाता है कि देश में कोई छोटा या बड़ा नहीं है।" उन्होंने कहा कि हमारे लोकतंत्र की विशालता गुरुओं की शिक्षाओं, साहिबजादों के बलिदान और राष्ट्रीय एकता के मंत्र का प्रतीक है। श्री मोदी ने कहा, " अतीत से लेकर वर्तमान तक, युवाओं की ऊर्जा ने भारत की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता की लड़ाई से लेकर 21वीं सदी के आंदोलनों तक, भारतीय युवाओं ने हर क्रांति में योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि युवाओं की शक्ति के कारण ही दुनिया भारत की ओर आशा और उम्मीदों से देखती है। उन्होंने कहा कि आज, स्टार्ट–अप से लेकर विज्ञान, खेल से लेकर उद्यमिता तक, युवा शक्ति नई क्रांतियों को जन्म दे रही है। इसलिए सरकार का सबसे बड़ा फोकस युवाओं को सशक्त बनाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी नीतियां, चाहे स्टार्ट–अप इकोसिस्टम के लिए हों, अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के भविष्य के लिए हों, खेल और फिटनेस क्षेत्र, फिनटेक और विनिर्माण उद्योग, या कौशल विकास और इंटर्नशिप योजनाएं, युवा–केंद्रित हैं और इनका उद्देश्य युवाओं को लाभान्वित करना है। उन्होंने कहा कि देश के विकास से जुड़े हर क्षेत्र में युवाओं को नए अवसर मिल रहे हैं जबकि उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास को सरकार का समर्थन मिल रहा है।

सीएम योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि, कहा–

साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर

लखनऊ, संवाददाता। वीर बाल दिवस के मौके पर लखमऊ में 5 कालिदास मार्ग स्थित सीएम आवास पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन गुरू गोविंद सिंह जी के साहिबजादों के बलिदान की स्मृति में किया गया। जिसमें ऐतिहासिक समागम एवं सहज पाठ द्वारा 11,000 सहज–पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीएम योगी ने लोगों को संबोधित भी किया। बता दें कि कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, स्वतंत्रदेव सिंह, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और सिख समाज के कई लोग मौजूद रहे। देशभर में आज मनाए जा रहे वीर बाल दिवस के पावन अवसर पर लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर हुए कार्यक्रम की तस्वीरें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है। तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने लिखा, वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) के अवसर पर लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप का आगमन हुआ। गुरु श्री गोबिंद सिंह महाराज के चार साहिबजादों का अतुलनीय बलिदान मातृभूमि और स्वधर्म की रक्षा हेतु सभी को प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। योगी ने आगे कहा, देश, धर्म और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए महान बलिदान देने वाले गुरु श्री गोबिंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों के बलिदान दिवस 'वीर बाल दिवस' (साहिबजादा दिवस) पर उन्हें शत–शत नमन! यह गौरव गाथा भारतीय समाज को धर्म, नैतिकता और देशभक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करती है।

युवाओं पर लाठीचार्ज क्रूरता की पराकाष्ठा, भाजपा को सिर्फ अपनी कुर्सी बचाना है : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी ।कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज को लेकर बृहस्पतिवार को राज्य सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा तथा आरोप लगाया कि भाजपा को सिर्फ अपनी कुर्सी बचाना है। बीपीएससी की ओर से 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा (पीएससी) के प्रश्नपत्र लीक होने का दावा करने वाले अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर बुधवार को पटना में विरोध–प्रदर्शन किया, जिस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया था कि पुलिसकर्मियों को प्रदर्शनकारियों पर उस समय लाठीचार्ज करना पड़ा, जब उनमें से कुछ बैरिकेड तोड़कर बीपीएससी कार्यालय तक पहुंच गए और यातायात बाधित किया। प्रियंका गांधी ने अपने व्हाट्सएप चौनल पर पोस्ट किया, हाथ जोड़ रहे युवाओं पर इस तरह लाठी चलाना क्रूरता की पराकाष्ठा है। भाजपा राज में रोजगार मांगने वाले युवाओं को लाठियों से पीटा जाता है। उत्तर प्रदेश हो, बिहार हो या मध्य प्रदेश, युवा अगर अपनी आवाज उठाते हैं तो उन्हें बर्बरता से पीटा जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे युवा देश के नौजवानों का भविष्य क्या होगा, यह सोचना और उनके लिए नीतियां बनाना सरकारों का काम है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया, भाजपा के पास सिर्फ कुर्सी बचाने का दृष्टिकोण है। जो मांगेगा रोजगार, उस पर होगा अत्याचार।

डीएमके को सत्ता से हटाने के लिए अन्नामलाई की भीष्म प्रतिज्ञा, पैरों में चप्पल या जूते नहीं पहनेंगे

कोयंबटूर, एजेंसी। अपने गृहनगर कोयंबटूर में मीडिया को संबोधित करते हुए, भाजपा के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने अपना आपा खो दिया और डीएमके सरकार की आलोचना की। राज्य में बिगड़ती कानून–व्यवस्था के लिए द्रमुक सरकार पर आरोप लगाते हुए गुस्से में दिख रहे अन्नामलाई ने अपने जूते उतार दिए और कहा कि जब तक राज्य में द्रमुक सरकार को उखाड़ नहीं फेंका जाता, वह जूते नहीं पहनेंगे। जब तक द्रमुक सरकार को उखाड़ नहीं फेंका जाता, मैं नंगे पैर चलूंगा। मैं लोगों से अनुरोध कर रहा हूं, कृपया इस सब पर गौर करें। उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह, हम चुनाव जीतने के लिए पैसा नहीं देने जा रहे हैं। हम बिना पैसे बांटे चुनाव लड़ेंगे. जब तक डीएमके सरकार नहीं चली जाती, मैं चप्पल नहीं पहनूंगा। उन्होंने सभी बुराइयों को ख़त्म करने के लिए कल कोयंबटूर में अपने आवास के बाहर खुद को छह कोड़े मारने का भी वादा किया। उन्होंने यह भी कहा कि वह राज्य में भगवान मुरुगन के सभी छह पवित्र निवासों पर जाने के लिए 48 दिनों तक उपवास करेंगे। यह घटना अन्ना विश्वविद्यालय में 19 वर्षीय छात्रा के यौन उत्पीड़न के संबंध में राज्य भाजपा द्वारा बुलाए गए मीडिया संबोधन के दौरान सामने आई। प्रेस वार्ता में उन्होंने मामले में एफआईआर को "लीक" करने के लिए राज्य पुलिस पर भी हमला बोला, जिसमें 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र की पहचान उजागर हुई थी।

कांग्रेस और आप दोनों ने दिल्ली को लूटा है : सचदेवा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर कड़ा हमला करते हुए दोनों दलों पर दिल्ली को लूटने का आरोप लगाया है। श्री सचदेवा ने गुरुवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बर्बाद ए गुलिस्तां करने को बस एक ही उल्लू काफी था, लेकिन यहां तो दो–दो उल्लू हैं। उन्होंने कहा, "पहले कांग्रेस ने दिल्ली को 15 साल लूटा। फिर 12 साल से अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली को बर्बाद कर रही है।" उन्होंने कहा कि दोनों दलों में एक वर्ग विशेष का वोट हासिल करने ही होड़ लगी हुई है। उन्होंने कहा, "मैं आतिशी मार्लेना और अजय माकन दोनों से पूछना चाहता हूं कि उस दिन आपकी गैरत कहां गयी थी, जब लोकसभा चुनाव के दौरान दोनों एक–दूसरे को गले लगाकर

घूम रहे थे।" उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान श्री केजरीवाल जब कांग्रेस उम्मीदवारों को अपनी गाड़ी में बैठाकर घुमा रहे थे, तो उस समय उनकी गैरत कहां गयी थी। उन्हें चुल्लू भर पानी में डूब कर मर जाना चाहिए। इंडिया समूह में साथ–साथ फोटो खिंचवाने वाले सोनिया गांधी और राहुल गांधी से आम आदमी पार्टी के नेता मिला करते थे। उन्होंने कहा, "आज जब दिल्ली में हार सामने दिखाई दे रही है, तो ये दोनों पार्टियां नूरा कुश्ती कर रही हैं।" उन्होंने कांग्रेस और आप को एक ही सिक्के के दो पहलू बताते हुए कहा कि अगर दिल्ली की जनता कांग्रेस को वोट देती, तो वह आम आदमी को जाएगा और आम आदमी पार्टी को देती है, तो वह कांग्रेस को जाएगा। उन्होंने कहा कि ये दोनों पार्टियां चोरों की बारात हैं। पहले कांग्रेस ने 15 साल दिल्ली को लूटने का काम किया और अब श्री केजरीवाल की आम आदमी पार्टी 12 साल से दिल्ली को

अदालत ने मानहानि की शिकायत पर आप नेता सौरभ भारद्वाज को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता द्वारा दायर आपराधिक मानहानि के मामले में नोटिस जारी किया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने 23 दिसंबर को पारित आदेश में भारद्वाज को नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें सूरजभान चौहान द्वारा दायर शिकायत के आधार पर नौ जनवरी, 2025 तक जवाब देने का निर्देश दिया गया है। अपनी शिकायत में चौहान ने आरोप लगाया कि भारद्वाज ने 2018 में प्रेस वार्ता में झूठा दावा करके उन्हें बदनाम किया था कि उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। न्यायाधीश ने शिकायतकर्ता को उसी मुद्दे पर पहले की शिकायत की प्रतिलिपि दाखिल करने का अंतिम अवसर भी दिया, ।

मुर्मू ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किए

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को सात श्रेणियों में 17 बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में श्री मुर्मू ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और कहा कि पूरे देश और समाज को उन पर गर्व है। उन्होंने बच्चों से कहा कि उन्होंने असाधारण काम किया है, अद्भुत उपलब्धियां हासिल की हैं, उनके पास असीमित क्षमताएं हैं और उनके पास अतुलनीय गुण हैं। उन्होंने देश के बच्चों के लिए एक मिसाल कायम की है। राष्ट्रपति ने कहा कि बच्चों को अवसर प्रदान करना और उनकी प्रतिभा को पहचानना हमारी परंपरा का हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि इस परंपरा को और मजबूत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में जब हम भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएंगे, तब ये पुरस्कार विजेता देश के प्रबुद्ध नागरिक होंगे। ऐसे प्रतिभाशाली लड़के–लड़कियां विकसित भारत के निर्माता बनेंगे।

गंगानाथ झा परिसर में तर्कसंग्रहवर्ग पर सप्तदिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

प्रयागराज सकेन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में सप्तदिवसीय हैमन्तीय आवासीय कार्यशाला का समापन आज दिनांक 26–12–2024 को देश के ख्यातिलब्ध विद्वानों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य डॉ. सियारामदास नैयायिक, श्रीरघुनाथ मन्दिर, माउन्ट आबू, राजस्थान तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. नरोत्तम सेनापति, आचार्य, विश्वभारती केन्द्रीय विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन, पश्चिम बंगाल रहे। मुख्य अतिथि आचार्य डॉ. सियारामदास नैयायिक ने छात्रों को तर्कसंग्रह के सिद्धान्तों के प्रति विशेष रूप से प्रयासरत रहने को प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. नरोत्तम सेनापति ने कार्यशाला में प्रतिभागी छात्रों को आगे बढ.ने को प्रेरित किया। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कार्यशाला में सम्मिलित हुए छात्र–छात्राओं को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी तथा कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान में निरन्तर अध्ययन द्वारा प्रगति करने को प्रेरित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि परिसर में दिनांक 20–12–2024 से 26–12–2024 तक आयोजित इस कार्यशाला से छात्र–छात्राएँ विशेष रूप से लाभान्वित हुए होंगे। कार्यशाला के समापन सत्र का संचालन अंकित मिश्रा ने किया । सम्मानित अतिथियों का स्वागत डा. मनीष जुगरान ने किया। इस अवसर पर प्रो. मनोज कुमार मिश्र (विभागाध्यक्ष, वेद विभाग), प्रो. अपराजिता मिश्रा (विभागाध्यक्षा, पाण्डुलिपि विभाग), डॉ. सुरेश पाण्डेय, डा. रामरूप, श्री राजेशकान्त तिवारी तथा परिसरीय अन्य कर्मचारी गण, छात्र–छात्राएँ एवं अन्य शोधच्छात्र समुपस्थित रहे। कार्यशाला का संयोजन डॉ. मनीष जुगरान एवं अंकित मिश्रा ने किया।

महाकुंभ में बुकिंग के नाम पर हरियाणा से चल रही होटल कान्हा श्याम की फर्जी वेबसाइट

प्रयागराज। महाकुंभ में शहर के नामी होटल में बुकिंग के नाम पर आए दिन पर्यटकों को ठगी को शिकार बनाया जा रहा है। होटल कान्हा श्याम के नाम से भी चल रही फर्जी वेबसाइट को लेकर साइबर पुलिस को अहम सुराग मिला है। पुलिस की जांच में पता चला है कि यह साइट हरियाणा से ऑपरेट की जा रही है। जल्द ही पुलिस फर्जी वेबसाइट चलाने वाले को गिरफ्तार कर सकती है। 16 दिसंबर को होटल कान्हा श्याम के महाप्रबंधक रुपेश कुमार सिंह ने उनके होटल के नाम से फर्जी वेबसाइट kanhashyam-hotelallahabad-com बनाकर बुकिंग करने पर सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज कराया था। मामले की जांच साइबर पुलिस कर रही है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने डोमेन कंपनी को मेल के माध्यम से पूछा था कि उक्त वेबसाइट किस शहर से संचालित हो रही है। साथ ही होस्ट करने वाले के बारे में भी जानकारी मांगी गई थी। बताया गया कि जांच में पुलिस को पता चला है कि यह वेबसाइट हरियाणा के एक शहर से होस्ट की जा रही है। बहरहाल, आरोपी ठग के फरार होने की आशंका पर पुलिस अपराधी का नाम और शहर में बताने में बच रही है। बताया जा रहा है कि जल्द ही मामले में आरोपी की गिरफ्तारी हो सकती है। हैरानी की बात है कि होटल कान्हा श्याम के नाम पर बनी वेबसाइट अभी तक कंप्यूटर में आसानी से खुल रही है। इस पेज में बुकिंग से लेकर होटल संबंधी कई जानकारियां डाली गई है। महाकुंभ में होटल बुकिंग करने पर कोई भी इस वेबसाइट के झांसे में आसानी से फंस सकता है।

गौरा ब्लाक के पूरे राम सहाय ग्राम में 119 मजदूरों का हुआ सत्यापन

लोकपाल की पहल पर लोक भारती संस्था के सहयोग से 120 हरि शंकरी पौध लगाए गए

प्रतापगढ़। गौरा ब्लाक के पूरे राम सहाय ग्राम पंचायत में लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की अध्यक्षता में मनरेगा मजदूरों की चौपाल का आयोजन हुआ। 119 मनरेगा मजदूरों को सत्यापित करने हेतु 120 हरि शंकरी के पौध का रोपण किया गया। मजदूरों की समस्याओ की सुनकर समाधान भी बताये गए। गौरा ब्लाक

के पूरे राम सहाय गाँव में इस बार 25 दिसंबर को बड़े दिन के अवसर पर सभी मजदूरों की भागीदारी से यादगार बन गया। गाँव की सीमा पर स्थित प्राचीन नाले के दोनों किनारों पर 120 हरि शंकरी पौध का रोपण किया गया। सर्व प्रथम लोक भारती संस्था के जिला संयोजक दिनेश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में विधिवत पूजन के बाद पौध रोपित हुए। शर्मा जी ने पीपल पाकड और बरगद के वृक्षों का महत्व रेखांकित करते हुए हरी शंकरी के महत्व के बारे में सभी को विधिवत जागरूक किया। प्रधान पति उमेश पटेल व ग्राम विकास अधिकारी के संयोजन में सभी मजदूरों द्वारा एक एक पौध रोपित किया गया। सभी मजदूरों ने संकल्प लिया की अपने द्वारा रोपित पौधों का संरक्षण वह स्वयम भी करेंगे। तदोपरांत मनरेगा मजदूरों की चौपाल का आयोजन हुआ जिसमे लोकपाल समाज शेखर ने मजदूरों की समस्याओ को सुना और ग्राम पंचायत को समाधान के निर्देश दिये। पौधों की देखरेख हेतु नियमानुसार आवश्यक मजदूर लगाए जाने और समुचित प्रबन्धन के निर्देश प्रधान व सचिव को दिया।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं,

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करायें-जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनय सुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। शिकायतकर्ता शेष कुमार सिंह निवासी पूरे केशवराय ने शिकायत किया कि प्रार्थी ने अपनी भूमि की पैमाइश हेतु धारा–24 उ0रा0सं0 2006 के तहत आनलाइन आवेदन किया था जिसमें मौके पर कानूनगो श्रीकान्त त्रिपाठी पैमाइश करने गये थे जिनके द्वारा पैमाइश करने में लापरवाही बरती जा रही है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने एसएचओ कोतवाली नगर एवं उपजिलाधिकारी सदर को निर्देशित किया है कि संयुक्त टीम बनाकर शिकायत का निस्तारण करायें। शिकायतकर्ता रीता वर्मा निवासिनी कन्धई (बनपुरआ) ने शिकायत किया कि प्रार्थिनी की भूमि पर ग्राम के लोकई प्रसाद निवासी राजमलपुर दबंगई और गुण्डई के बल पर प्रार्थिनी की भूमि पर कब्जा करना चाहते है, प्रार्थिनी ने मना किया परन्तु जबरदस्ती प्रार्थिनी की भूमि में नींव खोद रहे हैं,।

इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी पट्टी एवं एसएचओ कन्धई को निर्देशित किया है कि शिकायत की जांच कर उचित कार्यवाही करें। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

मनोहर दास नेत्र चिकित्सालय में जल्द शुरू होगी नई ओपीडी

प्रयागराज। क्षेत्र नेत्र संस्थान मनोहर दास नेत्र चिकित्सालय अब नए रंग–रूप में नजर आने लगा है। महाकुम्भ के तहत अस्पताल का भव्य मुख्य द्वार बनाया गया है। मुख्यद्वार में राजस्थान के लाल पत्थर का उपयोग किया गया है। अस्पताल में नई ओपीडी का निर्माण लगभग पूरा हो गया है। इसके तहत 20 कक्ष बनाए गए हैं, जिसमें उपकरण लगाए जा रहे हैं। अभी जिस जगह ओपीडी संचालित हो रही है वहां पर्याप्त जगह न होने से मरीजों को परेशानी होती है। मरीजों को समय से पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए मॉडर्न किचन का निर्माण किया गया है। अस्पताल की ओर से रैन बसेरा का विस्तार करके और बेहतर बनाया गया है। निदेशक डॉ. अपराजिता चौधरी के अनुसार नई ओपीडी जल्द ही संचालित हो जाएगी।

स्वामित्व योजना के अन्तर्गत 27 दिसम्बर को तुलसीसदन में घरौनी वितरण कार्यक्रम का होगा आयोजन

प्रतापगढ़। नोडल अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि जनपद में दिनांक 27 दिसम्बर 2024 को जनपद मुख्यालय स्थित तुलसी सदन (हादी हाल) में दोपहर 12.00 बजे से घरौनी वितरण कार्यक्रम प्रारम्भ होगा, इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता "नन्दी" जी द्वारा किया जायेगा, जिसमें माननीय विधायक सदर, विश्वनाथगंज व जिलाधिकारी के साथ–साथ मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेगें। इस कार्यक्रम में जनपद स्तर पर विकास खण्ड सदर के ग्रामीणों को जिनका मकान आबादी खाते की भूमि पर अवस्थित है, को भौतिक रूप से मा० मंत्री जी द्वारा घरौनी का वितरण किया जायेगा। इसके अतिरिक्त घरौनी वितरण का कार्य सभी विकास खण्डों के साथ–साथ ग्राम पंचायत स्तर पर भी मा० जनप्रतिनिधियों द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम का सीधा लाइव प्रसारण भी होगा।

लाभार्थियों को 27 दिसम्बर को होगा निःशुल्क चाक वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम का होगा आयोजन

प्रतापगढ़। जिला ग्रामोद्योग अधिकारीध्माटीकला अधिकारी नन्द लाल पटेल ने बताया है कि उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा मिट्टी कला के परम्परागत कारीगरों को मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अन्तर्गत निःशुल्क इलेक्ट्रानिक चाक वितरण हेतु वित्तीय वर्ष 2024–25 में जनपद को 36 इकाई का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। लक्ष्य के सापेक्ष जनपद को इलेक्ट्रानिक चाक की आपूर्ति हो चुकी है। चयनित लाभार्थियों को निःशुल्क चाक का वितरण दिनांक 27 दिसम्बर 2024 को आकांक्षा कान्वेंट स्कूल पृथ्वीगंज भगेसरा में किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक विश्वनाथगंज जीतलाल पटेल एवं अजीत प्रजापति माननीय सदस्य उ०प्र० माटीकला बोर्ड लखनऊ होंगे। इसके अतिरिक्त माटीकला योजना को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का समय पूर्वान्ह 11.00 बजे निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम में माटीकला की विधा से सम्बन्धित योजनाओं का प्रचार–प्रसार किया जायेगा। जिला ग्रामोद्योगधमाटीकला अधिकारी नन्द लाल पटेल द्वारा योजना का लाभ लेने के इच्छुक लोगों से अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने हेतु अनुरोध किया गया है।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक 30 दिसम्बर को

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया है कि जिला उद्योग बन्धु की बैठक दिनांक 30 दिसम्बर 2024 को अपरान्ह 3 बजे कैम्प कार्यालय के सभागार में आयोजित की गयी है। बैठक में समस्त सम्बन्धित अधिकारीगणध्सदस्य समय से प्रतिभाग करें।

जनपद की नवगठित सहकारी समितियों का किया गया शुभारम्भ

प्रतापगढ़। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्य जन्म तिथि के अवसर पर न्याय पंचायत स्तर पर नवगठित बहुउद्देशीय ग्रामीण सहकारी समितियों (बी–पैक्स) व मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारम्भ जनपद स्तर पर दिनांक 25 दिसम्बर को विकास भवन सभागार में पूर्व मंत्री के प्रतिनिधि ा विनोद कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिसमें सम्मानित संचालकगण जिला सहकारी बैंक लि0, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता, लीड बैंक मैनेजर, डी0डी0एम0 नाबार्ड, उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य एवं एम0पी0 एसिस्टेन्ट डेयरी के द्वारा प्रतिभाग किया गया। साथ ही नवगठित सहकारी समिति के सचिवों के द्वारा भी कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया तथा सचिवध्मुख्य कार्यपाल अधिकारी जिला सहकारी बैंक लि0 के द्वारा कार्यक्रम के संयोजक के रूप में अपने अधीनस्थ कर्मचारियों सहित प्रतिभाग किया गया। जनपद की नवगठित सहकारी समितियों के शुभारम्भ कार्यक्रम में सहकारिता क्षेत्र की समितियों को सुदृढ़ करने के लिये सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गयी पहलों पर प्रस्तुतीकरण के उपरान्त नवगठित समितियों के सचिवों को प्रमाण पत्र एवं सहकारिता क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य करने वाले समिति के सचिवों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया, साथ ही निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सहकारिता मंत्रालय के प्रस्तुतीकरण एवं मा0 सहकारिता मंत्री जी के उद्बोधनध्मार्गदर्शन को सुनने के उपरान्त कार्यक्रम का समापन किया गया।

ड्रिप/मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति व पोर्टेबल स्प्रिंकलर स्थापित कराने पर कृषकों को मिलेगा अनुदान

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने बताया है कि कृषक मो0 असलम पुत्र मो0 मुस्तकीम ग्राम गोई विकास खण्ड बाबा बेलखरनाथधाम ने तीन वर्ष पूर्व 2.0 हेक्टेयर क्षेत्रफल में ड्रिप सिंचाई पद्धति उद्यान विभाग से अनुदान पर लगाया था जिसमें केला, फूलगोभी, बैगन, शिमला मिर्च तथा ड्रैगन फ्रूट की खेती करता है, अभी मौजूदा समय में उसके पास केला, बैगन तथा ड्रैगन फ्रूट की फसल लगी है। कृषक असलम ने बताया है कि ड्रिप सिंचाई पद्धति की वजह से खेती बहुत आसान हो गयी है। खेती की लागत से लगभग 20–30 प्रतिशत तक की कमी आयी है जबकि उत्पादन में 30–40 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया है कि इस वर्ष ड्रिप सिंचाई पद्धति का 178 हेक्टेयर, मिनी स्प्रिंकलर–240 हेक्टेयर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर–510 हेक्टेयर एवं लार्ज वाल्यूम (रैनगन)–220 हेक्टेयर का लक्ष्य प्राप्त है। जिसके लिये 01 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर ड्रिपधमिनी स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति स्थापित कराने पर 90 प्रतिशत का अनुदान लघु सीमान्तध्सीमान्त कृषकों को तथा 80 प्रतिशत का अनुदान सामान्य कृषकों को दिया जाता है। इस प्रकार पोर्टेबल स्प्रिंकलरध्लार्ज वाल्यूम (रैनगन) का प्रति हेक्टेयर स्थापित कराने पर 75 प्रतिशत लघु सीमान्तध सीमान्त तथा 65 प्रतिशत सामान्य कृषक को अनुदान दिया जा रहा है। उन्होने बताया है कि अभी तक ड्रिप सिंचाई पद्धति 60.16 हेक्टेयर, मिनी स्प्रिंकलर 181.65 हेक्टेयर तथा पोर्टेबल स्प्रिंकलर 537.30 हेक्टेयर क्षेत्रफल की स्थापना का कार्य कृषकों के प्रक्षेत्र पर किया गया है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये कृषक के प्रक्षेत्र पर सिंचाई व्यवस्था हेतु नलकूप लगा होना चाहिये। आवश्यक प्रपत्र के लिये कृषक की स्वयं की जमीन की खतौनी, आधार कार्ड, पासबुक की फोटो कापी एवं एक नवीनतम फोटो पासपोर्ट साइज के साथ किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी कटरा रोड प्रतापगढ़ में उपस्थित होकर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी कला दर्पण– 2024 का भव्य समापन'

अंतर्राष्ट्रीय कला–प्रदर्शनी में अकादमी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा आमंत्रित कलाकार'

प्रयागराज सअंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स, एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ कैंपस, ने प्रो. (डॉ.) पूजा वर्मा निदेशक, असिस्टेंट प्रोफेसर जय गुप्ता

संयोजक एवं डॉक्टर अंगद कुमार वर्मा एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स और एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी के कुशल मार्गदर्शन में अपने लखनऊ कैंपस में सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी कला दर्पण– 2024 का आयोजन किया जिसका समापन समारोह 25 दिसंबर 2024 को भव्य पुरस्कार वतरण हुआ समापन समारोह के द्वारा स समारोह द्वारा संपन्न हुआ। प्रयागराज के प्रख्यात अकादमी कलाकार रवीद्र कुशवाहा इस अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भारतवर्ष से एकमात्र आमंत्रित कलाकार रहे तथा पांच विदेशी कलाकार भी आमंत्रित कलाकारों में शामिल रहे। प्रदर्शनी में अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों के बहुआयामी दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया गया और 2024 का उद्देश्य कलात्मक रचनात्मकता का जश्न मनाना। इस प्रदर्शनी एव प्रतियोगिता के लिए यूएसए, यूके, कनाडा, इंग्लैंड, डेनमार्क और श्रीलंका सहित कई देशों की 200 कलाकृतियां प्रदर्शित हुई ।प्रविष्टियों का मूल्यांकन और चयन प्रख्यात कलाकारों के एक पैनल द्वारा किया गया, जिसमें श्री सीताराम कश्यप, पूर्व अध्यक्ष ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश और श्री जय चौधरी, एशियाई कला संघ, सिंगापुर के अध्यक्ष, और सुश्री अरुणा सिंह उपस्थित रहीं । प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रख्यात शिक्षाविद् और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फोटोग्राफर श्री अनिल रिसाल सिंह ने एमिटी यूनिवर्सिटी उ. प्र. लखनऊ परिसर के प्रो–वाइस चांसलर प्रोफेसर (डॉ) अनिल वशिष्ठ की उपस्थिति में एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ परिसर की आर्ट गैलरी में किया गया। प्रोफेशनल एवं विद्यार्थी कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया ।

प्रयागराज प्रशासन एवं भारतीय रेलवे के मध्य डीएसए ग्राउन्ड पर हुआ क्रिकेट मैच

प्रयागराज समहाकुंभ –2025 में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा प्रदान करने के दृष्टिगत रेल प्रशासन और जिला प्रशासन द्वारा सयुक्त रूप से प्रयास किए जा रहे हैंद्य इसी क्रम में रेल प्रशासन और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने साथ बैठकर महाकुंभ की तयारियों की योजनाओं पर विचार विमर्श किया । इस अवसर पर अधिकारियों ने महाकुंभ –2025 के दौरान श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन से लेकर बेहतर अनुभव देने के लिए मंत्रणा की। इस दौरान रेल प्रशासन और जिला प्रशासन के अधिकारियों के बीच डीएसए ग्राउन्ड पर नाइट क्रिकेट मैच खेला गया । प्रयागराज प्रशासन बनाम भारतीय रेलवे अधिकारियों के बीच 15 ओवर का क्रिकेट मैच खेला गया । भारतीय रेलवे अधिकारियों की टीम के कैप्टन के रूप में अपर महाप्रबंधक–श्री जे. एस. लकरा एवं प्रयागराज प्रशासन टीम के कैप्टन के रूप में जिलाधिकारी, प्रयागराज दृ श्री रविंद्र कुमार मंदर के मार्गनिर्देशन में दोनों टीमों नें प्रदर्शन किया। प्रयागराज प्रशासन की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की । सलामी बल्लेबाज के रूप में जिलाधिकारी, प्रयागराज, श्री रवींद्र मंदर एवं एडीजी, श्री तरुण गाबा ने पारी की शुरुआत की । जिलाधिकारी प्रयागराज ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 51 बॉल पर 69 रनों की शानदार परी खेली जिसमें पांच चौके और शानदार 5 छक्के शामिल थे । प्रयागराज प्रशासन ने 15 ओवर खेलकर भारतीय रेलवे को 123 रनों का लक्ष्य दिया। भारतीय रेलवे के अधिकारियों ने लक्ष्य का पीछा करते हुए एक विकेट खोकर 10.4 ओवर में 124 रनों के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया । भारतीय रेलवे की ओर से आकाश श्रीनेत्र ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 35 गेंद में 70 रन की परी खेली इसमें शानदार 10 चौके और 3 छक्के शामिल थे। मैन ऑफ द मैच संयुक्त रूप से आकाश श्रीनेत्र एवं रविंद्र मंदर को दिया गया । महाप्रबंधकध उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेन्द्र सिंह जोशी ने मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया । इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारीगण तथा रेल प्रशासन की ओर से मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज मण्डल श्री हिमाशु बाडोनी सहित अन्य आधिकारीगण उपस्थित रहे। नाइट क्रिकेट मैच का आयोजन मण्डल क्रीड़ा अधिकारीध्वरिष्ठ मण्डल वित्त प्रबन्धक श्री आशुतोष शर्मा द्वारा किया गयाद्य

बैंक मैनेजर के मकान में गिरी 11 हजार वोल्ट की लाइन, पड़ोसी के घर में कूदकर परिवार ने बचाई जान

प्रयागराज। कालिंदीपुरम के द्वारका सेक्टर में रहने वाले बैंक मैनेजर राहुल श्रीवास्तव के मकान पर बुधवार सुबह बिजली का तार गिरने से आग लग गई। घर में रह रही मासूम बच्ची के साथ परिवार ने पड़ोसी के घर छलांग लगाकर जान बचाई। इस आग में स्कूटी, फर्नीचर, दरवाजा, साइकिल, आदि सामान जलकर राख हो गए। खुल्दाबाद स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक में राहुल श्रीवास्तव बतौर शाखा प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। वह द्वारका सेक्टर में पिता जितेंद्र, माता गीता, पत्नी अपेक्षा और पांच साल की बेटी नव्या के साथ रहते हैं। सुबह करीब 5रू56 बजे जोरदार धमाके के साथ घर के बरामदे के साथ आग लगी थी। शोर–शराबे के बाद परिवार बाहर आया तो स्कूटी समेत अन्य सामान धू–धू जल रहा था। आग की लपटों को देख तुरंत राहुल मासूम बेटी संग दीवार फांदकर परिवार को पड़ोसी के घर में घुसे और राहत की सांस ली। गनीमत रही कि आग की घटना के बाद विद्युत विभाग को फोन कर लाइन कटवाई गई।

अखाड़ा परिषद ने खारिज की सिख अलगाववादी पन्नू की धमकी, कहा- यह समुदायों को विभाजित करने की रणनीति

प्रयागराज। अखाड़ा परिषद ने एक वीडियो में कथित तौर पर महाकुंभ को निशाना बनाने की धमकी जारी करने के बाद समुदायों के बीच विभाजन भड़काने की कोशिश करने के लिए सिख अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू पर निशाना साधा है। सोमवार को पीलीभीत में यूपी और पंजाब पुलिस के साथ मुठभेड़ में खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स के तीन आतंकवादियों की मौत के बाद, 14 जनवरी (मकर संक्रांति), 29 जनवरी (मौनी) को माघ मेले की प्रमुख स्नान तिथियों को बाधित करने की धमकी देने वाला एक वीडियो सामने आया है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में आवाज खालिस्तान समर्थक पन्नू की बताई गई। पन्नू प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस का प्रमुख है और भारत सरकार ने उसे आतंकवादी घोषित किया है। महाकुंभ नगर में मीडिया को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि अगर पन्नू नाम का यह व्यक्ति हमारे महाकुंभ में घुसने की हिम्मत करेगा

स्मृति शेष विश्वनाथ प्रसाद श्रीवास्तव की स्मृति में आयोजित हुई काव्य गोष्ठी

प्रयागराज सप्रकृति–संरक्षण एवं साहित्यिक मंच साहित्यांजलि प्रज्योदिष एवं वैचारिकी के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 25 दिसम्बर 2024,दिन बुधवार अपराह्न 01.00 बजे महामना पं० मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमन्त्री पं० अटल बिहारी बाजपेई के जन्मोत्सव पर गीत–गजल संगम कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मारूफ शाइर अनवार अब्बास नकवी तथा मुख्य अतिथि श्रीराम मिश्र श्तलब जौनपुरीश तथा विशिष्ट अतिथि शिवराम उपाध्यायश्मुकुल विजयलक्ष्मी विभा और प्रीता वाजपेई,उमेश श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम के तीनों सत्र का संचालन प्रो०डॉ ०रवि मिश्र ने किया तथा संयोजक डॉ०प्रदीप चित्रांशी रहे। माँ सरस्वती के माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के बाद कवि राजेश सिंह श्राज श ने सरस्वती वन्दना सस्वर पढ़ी। प्रथम सत्र में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अनवार अब्बास ने कहा कि सत्तर वर्ष जब व्यक्ति की खुद की साँसें भारी लगने लगती है उस वक्त नब्बे वर्षीय हज्जीं जी की साँसें गजल की फुलवारी को महका रही थीं जिससे आने वाली पीढ़ी संकट की घड़ी में भी मुस्कुराती रहे। अपने फन के वे बेताज बादशाह थे इसीलिए हमलोगों के लिए अनुकरणीय हैं।डॉ०प्रदीप चित्रांशी ने महामना पं० मदन मोहन मालवीय एवं भारतरत्न पूर्व प्रधानमन्त्री पं०अटल बिहारी बाजपेई जी को नमन करते हुए उन्होंने विश्वनाथ प्रसाद श्रीवास्तव श्हज्जींश के साहित्यिक एवं सामाजिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरल हृदय के धनी एवं बह्र मर्मज्ञ के साथ–साथ गजल को कव्वाली की तर्ज पर कहने वाले शहर के नायाब हीरा थे।अन्त में पढ़े या शुरु में उन्हें कोई फर्क नही पड़ता था क्योंकि महफिल की वाह–वाह वह अकेले बटोर ले जाते थे। प्रीता बाजपेई ने कहा कि वे जिन्दादिल इन्सान के साथ–साथ इन्सानियत की मूर्ति थे। रिश्तों को जीना जानते थे इसीलिए जो भी उनके करीब गया,वह उठीं का होकर रह गया। उमेश श्रीवास्तव ने कहा कि नब्बे वर्षीय शाइर विश्वनाथ की आवाज में इतनी दमदारी थी कि जब वे गजल पढ़ते थे तो सुनकर यह लगता था कि को तीस–पैंतीस वर्षीय शाइर पढ़ रहा हो। प्रो०रवि मिश्र ने कहा कि गजल गायकी की दुनिया में उन्होंने एक ऐसा इतिहास रच दिया जिस पर आने वाले समय में उनकी गजल गायकी पर शोध कार्य होगा,यह अतिशोक्ति नहीं बल्की उनकी साहित्यिक यात्रा बिताए गए साठ साल की तपमयी यात्रा है। द्वितीय सत्र में अनवार अब्बास, कविता उपाध्याय, सुनैना त्रिपाठी, ईश्वर चन्द शुक्ल,रचना सक्सेना, राजेश सिंह राज, असद गाजीपुरी,श्री राम तिवारीश्सहज, शैलेन्द्र जय, प्रकाश सिंह अश्क रामवीर सिंह, जीशान फतेहपुरी, उपेन्द्र नाथ पाण्डेय मनमौजी,,सेलाल इलाहाबादी, विन्ध्यवासिनी शुक्ल श्मृदुल श अन्जान, केशब सक्सेना, प्रवीण माधव, विजयलक्ष्मी विभा,क पी गिरी, विभु कुमार, उमेश श्रीवास्तव, प्रो०रवि मिश्र, डॉ०प्रदीप चित्रांशी। तीसरे सत्र में कार्यक्रम में शिरकत करने वाले सभी रचनाकारों को सम्मानित किया गया।

'भोपाल शहर समता विचार भोपाल इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न'

भोपाल । शहर समता विचार मंच भोपाल इकाई की महिला काव्यगोष्ठी

आशा सक्सैना

की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि

आशा जाकड़

विशिष्टअतिथि

उमा मिश्रा प्रीति

सारस्वत अतिथि

डा . नीलिमा रंजन

स्वागत उद्बोधन आशा सक्सैना

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण अतिथि द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सरोज लता सोनी द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन साधना शुक्ला ने किया। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये।आशा श्रीवास्तव,सुधा दुबे , साधना श्रीवास्तव, सुषमा पटेल , सुषमा श्रीवास्तव सरोज लता सोनी, अनुराधा यादव,चित्रा घोटे,वंदना पाठक सीमा तिवारी, बालारानी वर्मा ,अर्चना शर्मा मंजू गुप्ता,विमला विश्वकर्मा, रानी सिंगोरिया, अंतमें धन्यवाद ज्ञापन. अर्चना शर्मा द्वारा किया गया ।

विशाल नि:शुल्क नेत्र शिविर आज

करछना। विगत कईवर्षों की भांति इस वर्ष भी क्षेत्र के रामपुर स्थित जनहित अस्पताल परिसर में आज शुक्रवार को विशाल निरूशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया है।जानकारी देते हुए अस्पताल की अधीक्षिका डॉ. व्यंजना पांडेय ने बताया कि उक्त शिविर के दौरान विश्व प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक प्रोफेसर डॉ.आर. एन.मिश्रा और टीम के कुशल नेत्र चिकित्सकों द्वारा मरीजों का परीक्षण एवं निशुल्क परामर्श दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि शिविर में आए मोतियाबिंद के गंभीर रोगियों हेतु उन्हें चिकित्सकों द्वारा चयनित कर उनके निशुल्क का ऑपरेशन की भी व्यवस्था की जाएगी। साथ ही नेत्र शिविर में आए नेत्ररोगियों को चिकित्सकों द्वारा परीक्षण कर उन्हें उचित दवा,सलाह दी जाएगी।उक्त नेत्र शिविर में उन्होंने स्थानीय नेत्र रोगियों से पहुंचकर लाभ लेने की अपील की है।

राष्ट्रीय कवि संगम द्वारा कवि सम्मेलन आयोजित

प्रयागराज।सएंग्लों बंगाली इंटर कालेज प्रयागराज पुस्तक मेले में राष्ट्रीय कवि, संगम द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन सम्पन्न हुआ।जिसकी अध्यक्षता पं शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला एवं

मुख्य अतिथि शायर डॉ अजय मालवीय रहे।सर्व प्रथम सरस्वती वंदना डॉ अन्नपूर्णा मालवीय ने किया। डॉ इन्दु जमदग्निपुरी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खुद की ज्योति बिखेरो इतनी और जगह उजियारा हो। जीवन से नफरत मिट जाये ऐसा रूप दुलारा हो। संयोजक निखिलेश मालवीय ने पढ़ा भारत माता की जय बोलो वंदन गीत सुनाता हूं। पुष्कर प्रधान हंसराज हंस राम कैलाश पाल प्रयागी डॉ गीता सिंह एवं सुष्मिता सिंह असलम आहिल इलाहाबादी एवं अन्य अनेक कवियों ने काव्य पाठ किया।

गोरखपुर ईकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

गोरखपुर । शहर समता विचार मंच गोरखपुर ईकाई की महिला काव्य गोष्ठी सरिता सिंह एवं चित्रा श्रीवास्तव के संयोजन में चित्रा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई । इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि उमेश श्रीवास्तव और विशिष्ट अतिथि कुसुम सिंह रहीं । यह काव्य गोष्ठी 4 बजे से 5 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही चित्रा श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति प्रेम लता रसबिंदु द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन चित्रा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में समस्त प्रतिभागी साहित्य अनुरागिनियों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें । जिसमें सरिता सिंह –नव संवत्सर आया,चित्रा श्रीवास्तव–कुछ भूली बिसरी, यादें ,बृजकिशोरी त्रिपाठी– पूष की रात में ,अनामिका शर्माश्,ऐ जिंदगानी, पूनम त्रिपाठी , कड़ाके की ठंडी है, प्रेम लता ने, शंखनाद करतीं, उमा उपाध्याय ने निगाहों में मेरी ,सलोनी त्रिपाठी ,कदम,कदम पर शिकारी और शैलजा सतीश ने कविताएं पढ़ा। धन्यवाद ज्ञापन चित्रा श्रीवास्तव ने किया।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के जन्म शताब्दी के अवसर पर देहरादून इकाई की भव्य का गोष्ठी संपन्न

देहरादून सराजनीति के पुरोधा कवि हृदय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी पर नई कलम नया कलाम भावनगर गुजरात, अंतरराष्ट्रीय सखी साहित्य परिवार गुवाहाटी असम, शहर समता महिला मंच प्रयागराज, सामूहिक रूप से तस्मिया एजुकेशन सोसाइटी, 1 इंदर रोड, देहरादून पर 25 दिसम्बर 2024 को अपराह्न 3 बजे बड़े धूमधाम से मनाया गया । जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. एस. फारुख (हिमालया वेलनेस कंपनी देहरादून) एवं विशिष्ट अतिथि नेशनल शूटर श्रीमती मधु मारवाह (चेयरमैन दून इंस्टीटूट शूटिंग – स्पोर्टस देहरादून) की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की । मंच कार्यक्रम का आरंभ महासचिव यामा शर्मा उमेश द्वारा अतिथि गणों से दीप प्रज्वलन करवा कर कार्यक्रम को सुचारू रूप से आरंभ किया । सभी सम्मानित अतिथिगणों का स्वागत अध्यक्ष निशाअतुल्य ने मेमन्टो व पटका पहना कर किया। कार्यक्रम का संचालन शोभा पराशर व गजलकार लक्ष्मी प्रसाद दर्द गढ़वाली द्वारा किया गया । सरस्वती वंदना नटराज डांस एकेडमी गुरु (सहज संगल) द्वारा सुन्दर प्रस्तुति ने कार्यक्रम को भव्यता दी, काव्यगोष्ठी की अध्यक्षता साहित्य के पुरोधा आदरणीय राम विनय सिंह ने की, कार्यक्रम में दूनहार्मोनिका ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य श्री आलोक बहुगुणा एवं श्री मनोज माथुर द्वारा दी गई प्रस्तुति ने श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध किया । गजलकार आदरणीय अंबर खरबंदा,नदीम बर्नी, दर्द गढ़वाली, अनिल शर्मा, सहज कुमार के बच्चों द्वारा गणपति वंदना,मोनिका मंतशा, शिव कुमार मन्तजर, कुमार विजय द्रोणी, योगेश्वर गौड़, झरना माथुर, श्रीमती नीरू नैय्यर, अंजना कंडवाल, विनीता मैठाणी, कविता बिष्ट, डॉ. क्षमा कौशिक,श्री सुभाष सेमल्टी,करुणा अथैया, दर्शन सिंह बिष्ट, रूही कादरी, ममता जोशीश्स्नेहाश, रविन्द्र सेठ, शांति प्रकाश जिज्ञासु, संगीता शाह श्शाकुनश, नीरू नैय्यर श्नीलोफरश,संगीता बिरमानी, श्रीमती संगीता बहुगुणा आदि प्रबुद्ध साहित्यकारों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को बैठने के लिए विवश किया।

कार्यक्रम में आ. राज बक्शी श्गुमराहश का सानिध्य इस कार्यक्रम की भव्यता बना। इस कार्यक्रम की विशेषता माउथ ऑर्गन समूह द्वारा की गई सुन्दर प्रस्तुतियाँ थी , सभी साहित्यकारों को सम्मानपत्र देकर सम्मानित किया ।

'स्ट्रीट फूड वेंडर्स को (FASSI) फूड सेफ्टी का प्रशिक्षण देगा'

'महापौर गणेश केसरवानी करेगे शुभारम्भ'

प्रयागराज समहाकुम्भ मेले में तीर्थ यात्रियो सैलानियो को पौष्टिक भोजन के उत्पाद बिक्री गुड़वत्ता पूर्ण खाद्य पदार्थ उपलबध कराने हेतु (FSSAI) आजाद स्ट्रीट वेन्डर युनियन व हाकर्स ज्वाइट एक्शन कमेटी द्वारा 1200 फूड वेन्डर्स को भारतीय खाद्य सुरक्षा एव मानक प्राधिकरण (FSSAI) के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण और प्रमाणन (FOSTAC) प्रोग्राम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण एव प्रमाण पत्र व सुरक्षा किट सभी वेन्डरो को प्रदान किया जायेगा। रवि शंकर द्विवेदी ने बताया कार्यक्रम दिनाक 27–12–2024 समय प्रातः11 बजे दिन मे स्थान मोती लाल नेहरु राष्ट्रीय प्रोधोगिकी संस्थान तेलियगंज एम पी हाल में होना तय हुआ।

आना हमारे शहर में संगम घुमाएँगे' ....

असलम आदिल के गजल संग्रह परी चेहरा और नूर-ए-मुजस्सम का हुआ विमोचन'

दूसरे सत्र में हुआ कवि सम्मेलन'

प्रयागराज। एक शाम इश्तियाक सईद के नाम से आयोजित कार्यक्रम एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज पुस्तक मेला में पुस्तक विमोचन समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें असलम आदिल के गजल संग्रह परी चेहरा और नूर ए मुजस्सम नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमी रूमानीएवं इश्तियाक सईद, अध्यक्ष अजामिल व्यास और विशेष अतिथि इरफान जौनपुरी व डॉ. शंभूनाथ त्रिपाठी रहे। गजल संग्रह पर असरार गांधी, अहमद हसनैन, विवेक सत्यांशु और मसूर आलम खान ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में कविता और गजलों की रसधार बही। इसमें डॉ.अजय मालवीय बहार इलाहाबादी ने पढ़ा– ष्आना हमारे शहर में संगम घुमाएँगेध्कुछ और तीर्थों का भी दर्शन कराएंगेष, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने ष्महाकुंभ के कालखंड में, किसको तिलक लगाऊँध्कहाँ खड़े हैं रामदुलारे, किसको टेर सुनाऊँष शम्भुनाथ श्रीवास्तव ने कहा ष्सुरसरि की पावन धारा में शुभ–अशुभ निरंतर बहते हैंष कवि–कलाकार रवींद्र नाथ कुशवाहा ने कहा यह कैसी गिरावट आ गई है दोहरे व्यक्तित्व में भी मिलावट आ गई हैष निखिलेश मालवीय ने कहा भारत माता की जय बोलो, राम कैलाश पाल प्रयागी ने दुनिया का झंझावात का चक्रव्यूह तोड़कर श्रीराम न आते तो ये हिन्दुस्तान न होता।, विवेक सत्यांशु, मिली ऐ, शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, इश्तियाक सईद, एम.एस. शाहिद, सुशान्त चट्टोपाध्याय, हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ,अजामिल व्यास आदि के काव्य पाठ से दर्शक झूम उठे। कार्यक्रम का आयोजन प्रख्यात कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा और संयोजन अजय मालवीय ने किया। संचालन एम.एस.शाहिद ने और धन्यवाद ज्ञापन राकेश मालवीय ने किया।

'1857 के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों को नमन'

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज एवं 17 यूपी बटालियन एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में एनसीसी कैडेट्स के द्वारा नुक्कड़ नाटक तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रथम स्वाधीनता संग्राम के वीर सेनानियों को नमन किया गया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत मुख्य अतिथि कर्नल अरविन्द सिंह तथा ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के चीफ प्राक्टर प्रो. मान सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलन तथा राम स्तुति के माध्यम से हुई। इस कार्यक्रम में कई अन्य गणमान्य विभूतियां विद्यमान रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे कर्नल अरविन्द सिंह ने एनसीसी के विभिन्न दृष्टिकोणों पर प्रकाश डाला तथा एनसीसी के अनुशासित मूल्यों को अपने निजी जीवन में आत्मसात करने की सलाह दी। उन्होंने सेना में शामिल होने के कई तरीकों पर प्रकाश डाला। प्रो. मान सिंह ने प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की तथा उन्होंने एनसीसी के राष्ट्रीय मूल्यों और उनकी राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों की तरफ लोगो का ध्यान आकर्षित किया। इस कार्यक्रम में ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया तथा अपने प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। देश प्रेम से ओत–प्रोत वीर सेनानियों की कुरबानियों को याद करके सभी की आँखें नम हो गई। यह कार्यक्रम ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, एनसीसी के ए. एन.ओ. डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक का निर्देशन रितम रस्तोगी, आस्था राय, अनिरुद्ध पांडेय, शुभांकर यादव, अभिषेक यादव और उनकी टीम ने किया तथा इसमें दिशा, टीना, वैष्णवी, वंदना, निहारिका, वसुंधरा, अर्पिता, आदित्य नारायण, लक्ष्मण सिंह आदि कैडेट्स शामिल हुए। इस कार्यक्रम में देशभक्ति गीत पर नृत्य प्रस्तुति लता, आस्था, दीपांशी शर्मा ने दी। कैडेट गुरुचरण ने बिरहे के माध्यम से बाबू कुंवर सिंह की वीरता और शौर्य को याद किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन कैडेट अदिति राठौर ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

'लायंस क्लब हर्ष जनवरी में आयोजित करेगा ब्लड डोनेशन तथा स्वास्थ्य कैम्प'

प्रतापगढ। लायंस क्लब हर्ष के अध्यक्ष ला सन्तोष भगवन ने बताया कि आगामी जनवरी माह में लायंस क्लब हर्ष एक विशाल ब्लड डोनेशन तथा स्वास्थ कैम्प का आयोजन करेगा,उन्होंने क्लब के सम्मानित सदस्यों को दोनो कैम्पों के सफल बनाने में सहयोग का अनुरोध किया,श्री भगवन ने लायंस क्लब की बैठक को शिवा मैरिज लान में सम्बोधित करते हुए बताया कि 29 दिसम्बर 2024 को लायंस क्लब हर्ष तथा शक्ति के संयुक्त तत्वावधान में नगर के शैल श्याम पैलेस में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया है शपथ ग्रहण समारोह में सहभागिता के लिए क्लब के डिस्ट्रिक गर्वनर, वॉइस डिस्ट्रिक्ट गर्वनर तथा सभी सम्बन्धित अधिकारियों की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। क्लब की बैठक में तीन नये सदस्यो को जोड़ने की सहमति भी प्राप्त हुई बैठक मे सुझाव दिया गया कि मकर संक्रांति पर्व पर अनाथालय व वृद्धाश्रम में सम्मानित सदस्यगण बच्चों तथा वृद्धजनों के साथ पर्व मनाये। बैठक में क्लब के संस्थापक सदस्य ला सतीश शर्मा, ला.लालजी चौरसिया,ला.आलोक सिंह ,प्रशासक ला.के.बी.सिंह, सचिव ला.डॉ. क्षितिज श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष ला.आरबी सिंह ला.अशोक सिंह ,ला.अरविन्द सिंह,ला. राजेश बहादुर पाल, ला,अश्वनी सिंह,ला.के.पी. सिंह, ला.डी.पी.सिंह, ला.अमर नाथ सिंह,ला.रामेश्वर पांडेय,ला.अजय श्रीवास्तव,ला.आशुतोष त्रिपाठी ला. हैपी सिंह उपस्थित थे ।

हम सब खर पतवार है, तुम तुलसी की गंध।
पर विचार में दिख रही अहंकार दुर्गन्ध।।

कितने किये जुगाड़ तब, लता चढी आकाश।
पर उसमें दिखता नहीं, है सुगंध का वास।।

अपने में अलमस्त है, भींटों की झरबेर।
पड़ जायेगी दृष्टि भी, उस पर देर सबेर।।

तुम कश्मीरी सेब हो, हम सब खर पतवार।
पोषण अपने भाग का, तुम पर देते वार।।

मित्र किसी के अहम पर, करना भीषण वार।
कहो कहाँ से मिल गया, तुमको यह अधिकार।।

नहीं किसी को दे सके, हो सुगंध के फूल।
मत फेंको इस तरह से उन राहों में शूल।।

बेलि अभी जो उग रही, देते उसको प्यार।
कभी महक जाता अरे उसका भी संसार।।

खर पतवारों में उगा है आछी का फूल।
रातों को महका रहा, कभी न देता शूल।।

सबकी अपनी अहमियत, सबकी निज सामर्थ्य।
निन्दा करने का नहीं होता कोई अर्थ।।

तिरछे कांटे बेर के, हम कदली के पात।
किया अकारण ही सखे, छिन्न भिन्न मम गात।।

इनकी उन्नति के लिए, किया कभी कुछ कर्म?
क्या कुछ बनता है नहीं, इनके हित कुछ धर्म?

जन्माना ही नहीं है, मात पिता का कर्म।
पालन पोषण के लिए, बनता है कुछ धर्म।।

लूली लंगड़ी हो भले, पर अपनी संतान।
माता को अति प्रिय लगे, सहती क्या अपमान?

तुम गुलाब के फूल हो, हम सब खर पतवार।
मंहको तुम उद्यान में, अपना है करतार।।

खिला हुआ है डाल पर, इक गुलाब का फूल।
उसके चारों ओर हैं, चुभने वाले शूल।।

बेला कलि सबसे भली, रूप गंध रस भोर।
सबको आनंदित करे, चुभे न कोर कठोर।।

जनार्दन अष्ठाना
जौनपुर

सम्पादकीय.....

मर्ज का फर्ज

सर्वविदित है कि देश की विशाल आबादी पर चिकित्सकों की उपलब्धता वैश्विक मानकों के अनुरूप नहीं है। यूनेस्को कई बार बता चुका है कि भारत के कई स्थानों पर एक हजार व्यक्तियों पर एक चिकित्सक भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यदि देश के कई मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाएं तो इसे देश के लिये विडंबना ही कहा जाएगा। इस ज्वलंत मुद्दे पर देश की शीर्ष अदालत ने संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि इस माह के अंत तक देश के सभी मेडिकल कालेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में रिक्त पड़ी सीटों को तुरंत भरा जाए। जाहिर है जब देश में पहले से ही डॉक्टरों के कमी है तो ये सीटें क्यों खराब की जा रही हैं? निश्चित रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में शीर्ष अदालत की यह पहल बदलावकारी साबित हो सकती है। देश में चिकित्सकों की कमी को देखते हुए पिछले दिनों बड़ी संख्या में नये मेडिकल कालेज खोले गए हैं, लेकिन इनमें सीटों की संख्या दुगनी हो जाने के बाद भी डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। वैसे निजी अस्पतालों में तो डॉक्टरों की कमी नहीं है, लेकिन सार्वजनिक अस्पतालों व डिस्पेंसरियों में डॉक्टरों की कमी बराबर बनी रहती है। खासकर ग्रामीण इलाकों में तो स्थिति बहुत खराब है। यही वजह है कि देश के बड़े चिकित्सा संस्थानों मसलन एम्स व पीजीआईएमईआर जैसे संस्थान मरीजों के दबाव से चरमरा रहे हैं। साथ ही चिकित्सक बेहद दबाव में काम कर रहे हैं। यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने इस संकट की गंभीरता को महसूस करते हुए निर्देश दिए हैं कि इस महीने के अंत तक काउंसलिंग करा कर उन सीटों को तुरंत भरा जाए। निश्चित रूप से इस पहल से देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को संबल मिल सकेगा। निस्संदेह, यह तार्किक है कि चिकित्सा पाठ्यक्रम में दाखिले को लेकर देश में भारी मारामारी है। इसकी वजह यह है कि मेडिकल की पढ़ाई के बाद कमोबेश रोजगार पाना गारंटी जैसी होता है। उनके लिये विदेशों में भो रोजगार के आकर्षक अवसर होते हैं। अन्यथा निजी अस्पताल खोलकर भी वे अपना शानदार करिअर बना सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल हमारे गांवों में चिकित्सा सुविधाओं के नितांत अभाव का होना है। ऐसा नहीं है कि इस चुनौतीपूर्ण स्थिति का सरकार को भान नहीं है। सरकार भी मानती है कि देश के ग्रामीण इलाकों के अस्पतालों अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता तो दूर सामान्य डॉक्टरों की मौजूदगी भी कम ही है। इस संकट का समाधान तभी संभव है जब देश में अधिक मेडिकल कालेज खुलें और उनकी सभी सीटों को भरा जाए। वहीं दूसरी ओर डॉक्टरों को ग्रामीण इलाकों में काम करने के लिये प्रेरित किया जाए। उन्हें वेतन तथा प्रोन्नति के विशेष अवसर दिए जाएं। अनिवार्य रूप से तय किया जाए कि मेडिकल कालेजों से निकलने वाले चिकित्सक कुछ प्रारंभिक वर्षों तक ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दें। इस बात पर मंथन किया जाना चाहिए कि विगत में हुए ऐसे प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ पाए। इसके अलावा दुनिया के अनेक देशों से मेडिकल की पढ़ाई करके आने वाले डॉक्टरों को आवश्यक अर्हताएं पूरी करने पर डॉक्टरी करने की सुविधा प्रदान की जाए। किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार का दायित्व बनता है कि गरीबी की रेखा के नीचे रहने वाले तथा कमजोर वर्गों के लोगों को सस्ती चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाएं। ये लोग महंगे निजी अस्पतालों की चौखट तक पहुंचने की क्षमता नहीं रखते। सरकार ने आयुष्मान योजना जैसी कई पहल तो की हैं, लेकिन ध्यान रखना जरूरी है कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में व्यवस्थागत दिक्कतें पैदा न हों। सरकारों का नैतिक दायित्व बनता है कि हाशिये के समाज को सस्ती व सहज रूप से चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता का भी लाभ मिल सके।

संशोधन से चुनावी प्रक्रिया अधिक शंकास्पद

डॉ. दीपक पाचपोर

हड़बड़ी में किए गए इस बदलाव से शंका उपजती है कि किसी गड़बड़ी को छिपाने के लिए संशोधन किए गए हैं। बदले नियम के तहत सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ–साथ प्रत्याशियों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों का भी सार्वजनिक निरीक्षण नहीं किया जा सकेगा।

संविधान निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिये गये अपमानजनक वक्तव्य को लेकर जब संसद के दोनों सदनों में हंगामा मचा हुआ था, उसका फ ायदा उठाकर सरकार ने चुनावी प्रक्रिया सम्बन्धी इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के निरीक्षण अथवा सार्वजनिक करने को प्रतिबन्धित कर दिया। अब फुटेज, रिकॉर्डिंग आदि नहीं मांगे जा सकेंगे। यह संशोधन शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन में किया गया जिसका समापन 20 दिसम्बर को हुआ। ईवीएम पर पहले से अविश्वास जतलाया जा रहा है, अब चुनावी प्रक्रिया को यह संशोधन और भी शंकास्पद बनाता है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इस पर ऐतराज दिखा रहे हैं, जो वाजिब है। गौरतलब है कि हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी की आशंका पर वरिष्ठ अधिवक्ता महमूद प्राचा ने अक्टूबर 2024 को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिस पर 9 दिसंबर को अदालत ने चुनाव आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान एक पोलिंग बूथ के वीडियोग्राफी, सीसीटीवी फुटेज और वोटों से जुड़े कागजात की प्रति श्री प्राचा को देने का आदेश दिया था। इसके लिए छह सप्ताह का वक्त दिया गया था। लेकिन चुनाव आयोग ने नियम में संशोधन की सिफारिश सरकार से की और कानून मंत्रालय ने 20 दिसम्बर को चुनाव नियमों में यह बदलाव किया है। हड़बड़ी में किए गए इस बदलाव से शंका उपजती है कि किसी गड़बड़ी को छिपाने के लिए संशोध ान किए गए हैं। बदले नियम के तहत सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ–साथ प्रत्याशियों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों का भी सार्वजनिक निरीक्षण नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने यह बदलाव केन्द्रीय चुनाव आयोग की सिफारिश के आधार पर किया है और इसका उद्देश्य इन दस्तावेजों या फुटेज के दुरुपयोग को रोकना बतलाया है। चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 (2)(ए) में यह संशोधन किया गया है। पहले नियम 93 हर किसी को सभी चुनावी दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण तथा उनकी सभी के लिये उपलब्धता का अधिकार देता था। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार यह संशोधन गोपनीयता के उल्लंघन को रोकने तथा इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों (रिकॉर्डिंग, फुटेज आदि) के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा दुरुपयोग को रोकने हेतु जरूरी है। इसकी जरूरत इसलिये भी बतलाई गयी कि इन दस्तावेजों, खासकर इलेक्ट्रॉनिक फुटेज का लाभ आतंकवाद से प्रभावित जम्मू–कश्मीर अथवा माओवाद से पीड़ित संवेदनशील क्षेत्रों में सक्रिय तत्व उठा सकते हैं। आयोग के मुताबिक पिछले चुनावों से सम्बन्धित कई दस्तावेज उपलब्ध कराने हेतु निवेदन आये थे। अब ऐसे दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराये जायेंगे जिनका नियमों से सम्बन्ध या सन्दर्भ नहीं है। कहने को तो निर्वाचन आयोग ने यह सिफारिश उनका दुरुपयोग रोकने के लिये की है परन्तु सर्वज्ञात है कि मौजूदा चुनाव आयोग के सारे काम–काज और नियम–कायदे पूरी तरह से सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में किये जाते हैं। इसलिये यह कदम भी गहरे संदेह के घेरे में आ गया है। आयोग की विश्वसनीयता पहले ही इतनी गिर चुकी है कि इसे भाजपा की जेब में रखा माना जाता है। उसका आचरण पिछले कुछ वर्षों से अत्यंत पक्षपाती और मनमाना रहा है। अनेक ऐसे मुद्दे रहे हैं जिनमें निर्वाचन आयोग के सारे फैसले भाजपा के पक्ष हुए हैं। आरोप लगते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता में बने रहने के लिये आयोग को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले रखा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार पर भी उंगलियां उठती हैं कि उन की भूमिका और मंशा सिर्फ भाजपा को लाभ देने की रहती है। इस संवैधानिक संस्था की ताकत व महत्व को समझकर मोदी सरकार ने एक संशोधन यह किया कि मुख्य आयुक्त का चयन करने वाले पैनल से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाध ीश को हटा दिया। अब इसमें केवल प्रधानमंत्री, एक केन्द्रीय मंत्री तथा विपक्ष के नेता हैं। स्वाभाविक है कि सरकार की मर्जी का ही व्यक्ति इस पद पर बैठ सकेगा। फिर, दो अन्य आयुक्तों को भी पूर्णतरू शक्तिविहीन कर दिया गया है। वे नाममात्र के सदस्य बनकर रह गये हैं। मुख्य आयुक्त का फैसला ही अंतिम होगा। चुनावी प्रक्रिया को अपारदर्शी और पक्षपाती बनाने के एक नहीं सैकड़ों उदाहरण हाल के वर्षों में देखे गये। विधानसभाओं के चुनाव हों या लोकसभा के, चुनाव आयोग का काम केवल विरोधी दलों के खिलाफ मामले बनाना तथा भाजपा व उसके सहयोगी गठबन्धनों को क्लीन चिट देना रह गया है। मोदी, शाह से लेकर भाजपा के अनेक नेतागण जमकर व खुल्लमखुल्ला हेट स्पीच करते हैं परन्तु उनके खिलाफ कभी सख्त कार्रवाई नहीं होती। इसके विपरीत विपक्षी दलों के लोगों को नोटिस भेजने से लेकर उनके प्रचार पर बन्दी लाने में आयोग देर नहीं करता। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का मसला लम्बे समय से चर्चा में है। ईवीएम मशीनों में हेराफेरी के आरोप लगते रहे हैं परन्तु आयोग सुनने को तैयार नहीं है। संदेह है कि उसे हैक किया जा सकता है और हाल के वर्षों में चुनावों के अनेक नतीजे उसके जरिये भाजपा के पक्ष में बदले गये हैं। दावा तो यह भी है कि इसी लोकसभा चुनाव में ईवीएम की गड़बड़ी के जरिये भाजपा को बहुमत मिल सका है। कई दलों, संगठनों एवं व्यक्तियों का दावा है कि यह मशीन हैक हो सकती है परन्तु आयोग इस तर्क पर अड़ा रहता है कि ऐसा सम्भव नहीं है। यह नया संशोध ान निर्वाचन आयोग एवं चुनावी प्रक्रिया को और भी अपारदर्शी, संदेहास्पद तथा जनविरोधी बनायेगा।

संविधान के 75 सालः हम कहां हैं

राम पुनियानी

भारत की संसद ने दो दिन तक देश के संविधान पर चर्चा की। विपक्षी नेताओं ने कहा कि हमारे संविधान में समाज के कमजोर वर्गों और धार्मिक अल्पसंख्यकों की भलाई के लिए अनेक प्रावधान हैं मगर उसके बावजूद ये वर्ग परेशानहाल हैं। मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक बना दिया गया है। इसके विपरीत, सत्ताधारी भाजपा के नेताओं ने संसद के अन्दर और संसद के बाहर भी कहा कि संवैधानिक मूल्यों पर हमले नेहरु (नफरत फैलाने वाले भाषण पर रोक लगाने के लिए संवैधानिक संशोधन) ने शुरू किये और यह सिलसिला इंदिरा गांधी (आपातकाल) से होता हुआ राजीव गांधी (शाहबानो) और राहुल गांधी (विधेयक को फाड़ना) तक चला। उन्होंने कहा कि सभी सामाजिक बुराईयों की जड़ में नेहरु–गांध ी परिवार है और उसी ने संविध ान को नुकसान पहुंचाया है।भाजपा नेता और हिन्दू राष्ट्रवादी चिन्तक लम्बे समय से कहते आए हैं कि भारत का संविधान पश्चिमी मूल्यों पर आध ारित है, उसे औपनिवेशिक ताकतों ने हमारे समाज पर लादा है और वह भारतीय सभ्यता और संस्कृति से मेल नहीं खाता। उनका यह तर्क भी रहा है कि कांग्रेस पार्टी ने मुसलमानों का तुष्टिकरण करने और उनका वोट बैंक बनाने के लिए संविधान का दुरुपयोग किया।जैसा कि हम सब जानते हैं, संविधान उन मूल्यों का प्रतिनिधि है जो स्वाधीनता संग्राम के दौरान उपजे. संविध ान तैयार करते समय हमारी सभ्यता की लम्बी परंपरा का भी ख्याल रखा गया। जिन लोगों ने स्वाधीनता आन्दोलन में भाग लिया और जो उसकी पीछे की विचारधारा में आस्था रखते थे, भारतीय सभ्यता की उनकी समझ, उन लोगों से बहुत भिन्न थी जो औपनिवेशिकता–विरोधी आन्दोलन से दूर बने रहे और ब्रिटिश शासकों के आगे नतमस्तक रहे। जहां आजादी का आन्दोलन भारत को समृद्ध विविधताओं वाला एक बहुवादी देश मानता था वहीं स्वाधीनता आन्दोलन से दूर रहने वाले उसे हिन्दू सभ्यता मानते थे। ऐसे लोगों को बहुवाद पसंद नहीं है और वे मानते हैं कि बहुवाद को शिक्षित, आधुनिक नेताओं ने देश पर थोपा है। संघ परिवार यह भूल जाता है कि भारतीय सभ्यता को हिन्दू सभ्यता बताना, हमारी सभ्यता में जैन, बौद्ध, ईसाई और सिक्ख धर्मों व इस्लाम के योगदान को नकारना है। हिन्दू राष्ट्रवादियों के सबसे प्रिय भगवान राम को देखने के भी अलग–अलग तरीके हैं। कबीर के लिए राम सर्वव्यापी निर्गुण हैं तो गांधी के लिए राम सभी धर्मों के लोगों के रक्षक हैं। गांधी कहते थे ईश्वर अल्लाह तेरो नामश। जवाहरलाल नेहरु ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक भारत एक खोजश में लिखा है कि भारत एक प्राचीन स्लेट है, जिस पर कई परतों में अलग–अलग कालों में विचार और भावनाएं दर्ज की गईं मगर कोई नयी परत, पिछली परतों को न तो पूरी तरह ढंक सकी और न मिटा सकीश। नेहरु बड़े गर्व से सम्राट अशोक के शासनकाल को याद करते हैं, जिन्होंने अपने कई शिलालेखों में वैदिक हिन्दू धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म और आजीविकों के साथ एक–समान व्यवहार करने की बात कही है। संघ परिवार और उसके चिंतक जहां भारत को विशुद्ध ब्राह्मणवादी हिन्दू देश मानते हैं वहीं गांधी, नेहरु इत्यादि इसे सभी भारतीयों का देश मानते थे। भारत की संविध ान सभा मोटे तौर पर उस ध ारा का प्रतिनिधित्व करती थी, जो राष्ट्रीय धारा थी, जो वह ध ारा थी जिसने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया था। इसके विपरीत, भारत को ब्राह्मणवादी हिन्दू राष्ट्र मानने वाला आरएसएस हाशिये की धारा थी। दोनों धाराओं का यह अंतर, भारत के संविधान का मसविदा तैयार होने के समय से ही परिलक्षित होने लगा था। अम्बेडकर और नेहरु का यह स्पष्ट मत था कि देश की सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि संविधान के मूल ढांचे से कोई छेड़छाड़ न की जाए और उसे पूरी तरह से लागू किया जाए। मगर 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संविधान के समीक्षा के लिए वेंकटचलैया आयोग का गठन किया। उस समय राष्ट्रपति डॉ के.आर. नारायणन ने बहुत सामयिक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि, श्संविधान के कारण हम नाकाम नहीं हुए हैं, बल्कि हमने संविधान को नाकाम किया हैश। यह बात मोदी सरकार के कार्यकाल के सन्दर्भ में एकदम सही है। इस दौर में संविधान में कोई बदलाव नहीं किये गए मगर संघ परिवार के कई सदस्यों ने ऐसा करने की इच्छा और जरुरत बताई और उन्हें शीर्ष नेतृत्व द्वारा फटकारा नहीं गया। अब की बार चार सौ पारश का नारा इसी इच्छा का प्रतीक था। भाजपा चाहती थी कि उसे लोकसभा में 400 से ज्यादा सीटें हासिल हों ताकि वह संविधान को बदल सके। देश में नफरत फैलाने वाले भाषण देने और बातें कहने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। इसका सबसे ताजा उदाहरण हैं इलाहबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव, जिन्होंने विश्व हिन्दू परिषद् के एक कार्यक्रम में कहा कि श्भारत बहुसंख्यकों की मर्जी के अनुसार चलेगा। जस्टिस यादव ने समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक आवश्यकता विषय पर बोलते हुआ कहा, श्केवल वही स्वीकार किया जाएगा जो बहुसंख्यकों की भलाई और प्रसन्नता के लिए फायदेमंद हो। इससे भी ज्यादा बुरी बात यह है कि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यादव के कथन का समर्थन किया। यह अच्छा है कि सुप्रीम कोर्ट ने यादव के सांप्रदायिक और नफरत फैलाने वाले भाषण का संज्ञान लिया है. मगर आदित्यनाथ के यादव को समर्थन का कौन संज्ञान लेगा? वर्तमान स्थितियों पर एक सटीक टिप्पणी में जस्टिस अस्पि चिनॉय ने कहा, श्भाजपा केंद्र में सरकार में है और उसके पास संसद में पूर्ण बहुमत है। मगर उसे भारत और उसके संविधान के ध ार्मनिरपेक्ष चरित्र को कानूनी तौर पर बदलने की कोई जरुरत महसूस नहीं हो रही है। राज्य और उसके विविध तंत्र उसके नियंत्रण में है और वह कानूनी तौर पर भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को बदले बिना ही उसके धर्मनिरपेक्ष संविध ान को कमजोर करने और हिंदुत्व पर आधारित राजकाज कायम करने में कामयाब रही है। भाजपा के पूर्ववर्ती जनसंघ के सांप्रदायिक चरित्र का खुलासा उस समय ही हो गया था जब संविधान का मसविदा जारी किया गया था। इसके कुछ दिन बाद, आरएसएस के गैर–आधिकारिक मुखपत्र आर्गेनाइजर ने 30 नवम्बर 1949 के अपने अंक में लिखा था, श्भारत के नए संविधान के बारे में सबसे बुरी बात यह है कि उसमें कुछ भी भारतीय नहीं है...भारत के प्राचीन संवैधानिक कानूनों, नामकरणों और भाषा का इसमें नामोनिशां तक नहीं है। मतलब यह कि भारत के संविधान के निर्माताओं ने मनुस्मृति को नजरअंदाज किया! लोकसभा में संविधान पर चर्चा में भाग लेते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति के पितामह वी.डी. सावरकर को उदृत करते हुए कहा, भारत के नए संविधान के बारे में सबसे बुरी बात यह है कि उसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। हमारे हिन्दू राष्ट्र में वेदों के बाद मनुस्मृति सबसे पूजनीय ग्रन्थ है, जो प्राचीन काल से हमारी संस्कृति, रीति–रिवाजों, विचारों और आचरण का आधार रही है। सावरकर का कहना था कि मनुस्मृति ही हमारे देश का कानून है। अगर हम संविधान की मसविदा समिति के मुखिया डॉ अम्बेडकर और आरएसएस के एक सरसंघचालक के. सुदर्शन की तुलना करें तो पूरी बात समझ में आ जाएगी। अम्बेडकर ने मनुस्मृति का दहन किया था और आरएसएस के मुखिया ने भारत के संविधान को पश्चिमी मूल्यों से प्रेरित बताते हुए कहा था कि हमें मनुस्मृति पर आधारित भारत का संविधान बनाना है।

डॉलर को बढ़ावा देने के आक्रामक रुख से रुपया अस्थिर स्थिति में

के रवींद्रन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मित्र, अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप एक बार फिर व्हाइट हाउस में जाने वाले हैं, लेकिन यह भारत के लिए विशेष रूप से फायदेमंद नहीं है। जो भी हो, ट्रंप को मोदी समर्थक रहते हुए भी भारत विरोधी कहा जा सकता है। मोदी–ट्रम्प के बीच यह सौहार्द्र राष्ट्रपति–चुनाव के भारत विरोधी आर्थिक रुख के बिल्कुल विपरीत है, जो पहले से ही जवाबी टैरिफ की धमकियों और वैश्विक मुद्रा के रूप में अमेरिकी डॉलर के दृढ़ बचाव में प्रकट हुआ है। ट्रंप का यह दावा कुछ अमेरिकी उत्पादों पर नई दिल्ली के उच्च टैरिफ के प्रति उनके असंतोष से उपजा है। यह अमेरिकी आर्थिक हितों को प्राथमिकता देने की उनकी व्यापक नीति को दर्शाता है, जो अक्सर दीर्घकालिक व्यापार साझेदारी की कीमत पर होगी। भारत के लिए, जो अपने व्यापार संतुलन को बनाये रखने के लिए निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर है, ऐसे खतरे संभावित व्यवध ानों का संकेत देते हैं। अमेरिका के साथ तनावपूर्ण व्यापार संबंध ा मौजूदा आर्थिक चुनौतियों को और बढ़ा सकते हैं, खासकर तब जब भारतीय अर्थव्यवस्था मंदी से जूझ रही हो। भारत के लिए चिंता का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र मजबूत अमेरिकी डॉलर के लिए ट्रम्प का अटूट समर्थन है। वैश्विक मुद्रा के रूप में डॉलर की स्थिति की रक्षा करने पर उनके प्रशासन का जोर वैश्विक वित्तीय प्रणाली में अमेरिकी प्रभुत्व को सुरक्षित करने की व्यापक रणनीति को रेखांकित करता है। अपने चुनाव के कुछ दिनों के भीतर ट्रम्प ने भारत सहित ब्रिक्स देशों को ऐसे कदमों के खिलाफ चेतावनी जारी की, जो अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को खतरे में डाल सकते हैं। भारत ने कूटनीतिक रूप से इन चेतावनियों को कम करके आंकते हुए, डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए कुछ देशों के साथ रुपया–आधारित द्विपक्षीय व्यापार में भाग लिया है। हालांकि, ऐसी पहल अपनी प्रारंभिक अवस्था में है और डॉलर–केंद्रित वैश्विक व्यापार नीतियों के व्यापक प्रभाव को कम नहीं कर सकती हैं।ट्रम्प के राष्ट्रपति पद के दौरान अमेरिकी डॉलर की मजबूती ने पहले ही रुपये को गहरा झटका दिया है, जो डॉलर के मुकाबले ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया है। इस गिरावट के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं, जिसमें मजबूत अमेरिकी आर्थिक डेटा भी शामिल है, जो ब्याज दरों पर फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख को पुष्ट करता है। उच्च अमेरिकी टैरिफ दरें भारत जैसे उभरते बाजारों से पूंजी प्रवाह को आकर्षित करती हैं, जिससे रुपये का अवमूल्यन बढ़ जाता है। कमजोर रुपया आयात की लागत, विशेष रूप से कच्चे तेल की लागत को बढ़ाता है, जिससे व्यापार घाटा बढ़ता है और घरेलू मुद्रास्फीति को बढ़ावा मिलता है। मुद्रा को स्थिर करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप को सीमित सफलता मिली है। रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार पर अत्यधिक निर्भरता भारत के भंडार को कम कर सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों के प्रति संवेदनशील हो सकती है। घरेलू स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रही है जो रुपये की गिरावट में योगदान करती हैं। औद्योगिक उत्पादन में कमी, उपभोक्ता मांग में गिरावट और कमजोर निवेश भावना की विशेषता वाली आर्थिक मंदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास को खत्म कर दिया है। धीमी आर्थिक वृद्धि विदेशी निवेशकों के लिए रुपये के आकर्षण को कम करती है, जो अनिशिचतता के दौर में उभरते बाजारों को अधिक जोखिम वाला मानते हैं। इसके अतिरिक्त, भारत का चालू खाता घाटा, जो तब उत्पन्न होता है जब देश निर्यात से अधिक आयात करता है, लगातार बढ़ रहा है और रुपये पर निरंतर दबाव डाल रहा है। वैश्विक तेल की कीमतों में सुधार और भारत के प्रमुख तेल आयातक होने के कारण, इन आयातों के भुगतान के लिए डॉलर की मांग बढ़ गयी है, जिससे रुपये की परेशानी और बढ़ गयी है। एक अन्य महत्वपूर्ण कारक मुद्रास्फीति का बढ़ता दबाव है।

मुद्रास्फीति मुद्रा की क्रय शक्ति को कम करती है और निवेशकों के विश्वास को कम करती है। इसके अतिरिक्त, रुपये की गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर संरचनात्मक मुद्दों से प्रभावित है। औद्योगिक उत्पादन और उपभोक्ता खर्च जैसे प्रमुख संकेतकों ने कमजोर होने के संकेत दिखाये हैं। गैर–निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के बोझ तले दबे बैंकिंग क्षेत्र में विकास को वित्त पोषित करने की सीमित क्षमता है। बैंकों को पुनर्पूंजीकृ त करने और ऋ ण देने को प्रोत्साहित करने की सरकारी पहलों के बावजूद, आर्थिक सुधार की गति धीमी बनी हुई है। इसने निवेशकों की भावना को और कमजोर कर दिया है और रुपये को भी। इसके अलावा, डिजिटल अर्थव्यवस्था में चल रहा बदलाव, जो दीर्घावधि में आशाजनक है, ने पारंपरिक व्यापार मॉडल में अल्पकालिक व्यवधान पैदा किया है, जिससे समग्र उत्पादकता और आर्थिक उत्पादन प्रभावित हुआ है। रुपये पर ट्रम्प की नीतियों का प्रभाव वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं से और भी बढ़ गया है। संरक्षणवादी उपायों और व्यापार युद्ध की संभावना ने वैश्विक बाजारों में अस्थिरता पैदा की है, जिसका असर रुपये सहित उभरते बाजारों की मुद्राओं पर पड़ा है। आईटी और फार्मास्युटिकल क्षेत्र, जो अमेरिका को भारत के निर्यात में प्रमुख योगदानकर्ता हैं, प्रतिबंधात्मक नीतियों के लागू होने पर महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। अमेरिका–चीन व्यापार युद्ध सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार तनाव ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और निवेशक व्यवहार में बदलाव किये हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था का हिस्सा होने के नाते भारत भी इन प्रभावों से अछूता नहीं है। वैश्विक निवेशकों के बीच जोखिम से बचने की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण अमेरिकी डॉलर को सुरक्षित मुद्रा माना जा रहा है जिसके कारण रुपये पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। ट्रंप के राष्ट्रपति पद के दौरान अमेरिकी डॉलर की मजबूती, घरेलू आर्थिक चुनौतियों और वैश्विक अनिश्चितताओं के साथ मिलकर भारतीय मुद्रा के लिए चुनौतीपूर्ण माहौल बना है। भारत ने इनमें से कुछ दबावों को कम करने के लिए कदम उठाये हैं, जैसे कि रुपया–आध ारित व्यापार को बढ़ावा देना और विदेशी मुद्रा बाजार को स्थिर करना, परन्तु स्थिर और मजबूत रुपये के लिए अर्थव्यवस्था के भीतर अंतर्निहित संरचनात्मक मुद्दों को संबोधित करने और विकसित वैश्विक परिदृश्य के अनुकूल करने की आवश्यकता है। भारत के लिए ट्रम्प के राष्ट्रपति पद की जटिलताओं की कठिन चुनौतियों का सामना करना कठिन है और मोदी ट्रम्प की सोच को प्रभावित करने के लिए बहुत कुछ नहीं कर सकते हैं, दोनों के बीच अत्यधिक अतिरंजित मित्रता के बावजूद।

मुकेश खन्ना और सोनाक्षी के विवाद पर भाई लव सिन्हा ने दिया बयान, कहा-पुरानी बात को बार-बार उठाना सही नहीं

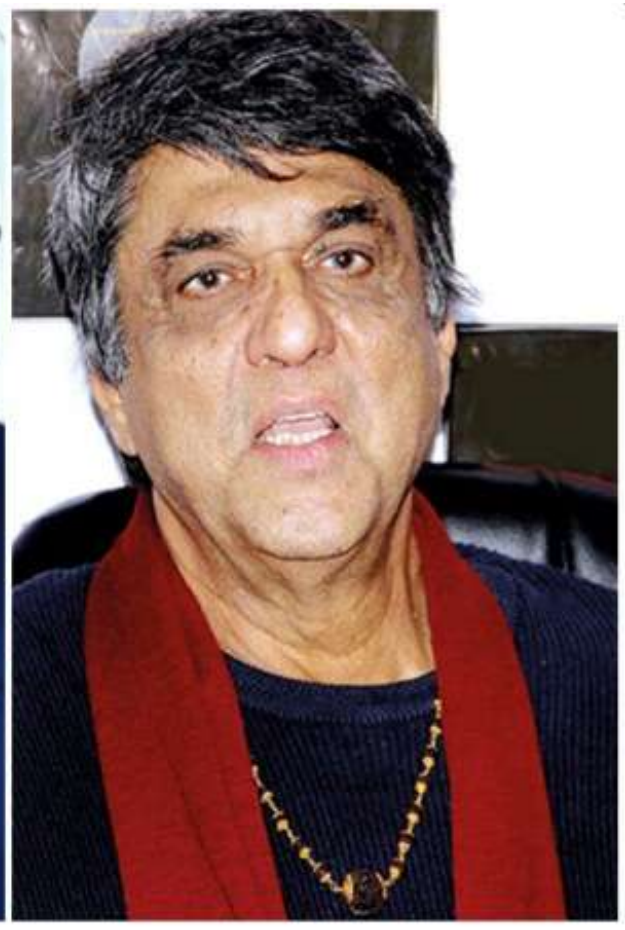

> सोनाक्षी के भाई लव सिन्हा ने भी प्रतिक्रिया दी है। लव सिन्हा ने इस विवाद पर खुलकर बात करते हुए कहा कि मुकेश खन्ना को उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा के बारे में ऐसा नहीं कहना चाहिए था। साथ ही उन्होंने माना कि सोनाक्षी से गलती हुई थी, लेकिन वह एक पुरानी बात है और अब इसे उठाने का कोई मतलब नहीं है।

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और शक्तिमान फेम मुकेश खन्ना के बीच का विवाद चर्चा का विषय बना हुआ है। मुकेश खन्ना ने कुछ दिनों पहले सोनाक्षी की परवरिश और संस्कारों पर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि सोनाक्षी को सनातन धर्म और रामायण के बारे में पर्याप्त ज्ञान नहीं है और उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा को इसका जिम्मेदार ठहराया था। इस बयान के बाद सोनाक्षी ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट शेयर करते हुए उन्हें करारा जवाब दिया था। वहीं, अब इस पूरे मामले पर सोनाक्षी के भाई लव सिन्हा ने भी प्रतिक्रिया दी है। लव सिन्हा ने इस विवाद पर खुलकर बात करते हुए कहा कि मुकेश खन्ना को उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा के बारे में ऐसा नहीं कहना चाहिए था। साथ ही उन्होंने माना कि सोनाक्षी से गलती हुई थी, लेकिन वह एक पुरानी बात है और अब इसे उठाने का कोई मतलब नहीं है। लव ने कहा– मुकेश खन्ना को मेरे पापा पर ऐसा कमेंट नहीं करना चाहिए था। मुझे लगता है कि पापा ने जो जवाब दिया, वह बिल्कुल सही था। वह हमेशा संक्षेप में बोलते हैं लेकिन जो कहना होता है, वह साफ–साफ कह देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सोनाक्षी से जो गलती हुई थी, वह बहुत पुरानी बात है। अब उस बात को बार–बार उठाना सही नहीं है। सच कहूं तो हम परिवार में इस मुद्दे को ज्यादा चर्चा का विषय नहीं बनाते। जो हो गया, सो हो गया। इस विवाद की शुरुआत 2019 में हुई थी, जब सोनाक्षी सिन्हा ने अमिताभ बच्चन के शो कौन बनेगा करोड़पति में हिस्सा लिया था। शो के दौरान उनसे रामायण से जुड़ा एक सवाल पूछा गया, जिसका जवाब वह नहीं दे पाई थीं। इस पर मुकेश खन्ना ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने बच्चों को सनातन धर्म और रामायण का ज्ञान नहीं दिया। मुकेश खन्ना के इस बयान ने सोनाक्षी और उनके परिवार को आहत किया। सोनाक्षी ने तुरंत सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर इसका जवाब दिया। एक्ट्रेस के बाद उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा ने भी मुकेश को जवाब दिया था।

तलाक के बाद बेटी की अकेले परवरिश कर रही संजीदा शेख, बोलीं– मैं एक पुरुष से ज्यादा ताकतवर महसूस करती

एक्ट्रेस संजीदा शेख अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। संजीदा शेख पति आमिर अली से तलाक के बाद अपनी पांच साल की बेटी आयरा की अकेले परवरिश कर रही हैं और अक्सर उसके साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि किस तरह से उनकी बेटी उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरण देती है। मीडिया के साथ इंटरव्यू में संजीदा शेख ने कहा, मेरी बेटी ने मेरे लिए गेम बदला है। मैं एक पुरुष से ज्यादा ताकतवर महसूस करती हूं। मैं और अच्छा काम करूं, पैसा कमाऊं और बेटी को अच्छी जिंदगी दूं, यही कामना करती हूं। मेरी बेटी मुझे काम करने को लेकर प्रेरणा देती है। मैं पहले से ज्यादा मैच्योर हो चुकी हूं। मुझे लगता है कि हर स्थिति पर रिएक्ट करना सही नहीं। मैं अपनी दुनिया में आज के समय में खुश हूं। मैं कर्म पर भरोसा करती हूं। मेरी बेटी और दोस्त, परिवार के लोग मुझे सपोर्ट करते हैं, मेरे लिए वह काफी है। दिमाग जितना साफ रखोगे, उतना खुश रहोगे। बता दें, संजीदा शेख ने साल 2012 में एक्टर आमिर अली के साथ शादी की थी, जिसके बाद कपल ने बेटी आयरा का स्वागत किया, लेकिन दोनों की ये शादी ज्यादा देर टिक नही पाई। साल 2022 में संजीदा शेख और आमिर अली का तलाक हो गया। एक्ट्रेस को बेटी की कस्टडी मिली और वह अकेले उसकी परवरिश कर रही हैं।

रिलायंस एंटरटेनमेंट ने रिलीज किया 'मिशन ग्रे हाउस' का टीजर, इस दिन होगी रिलीज

बॉलीवुड में सस्पेंस और थ्रिलर जॉनर की फिल्में हमेशा दर्शकों की पहली पसंद रही हैं रिलायंस एंटरटेनमेंट आने वाले नए साल की पहली म्यूजिकल थ्रिलर फिल्म मिशन ग्रे हाउस' का टीजर रिलीज किया हैं। युवा अभिनेता अबीर खान फिल्म "मिशन ग्रे हाउस" से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। सस्पेंस के साथ दर्शकों को एक क्लासिक थ्रिलर फिल्म देखने को मिलेगी। 1 मिनट के टीजर की शुरुआत में अंधेरी रात में एक सूनसान जगह पर बंगला है अंदर एक सफेद टीशर्ट पहना हुआ एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति दिखाई देता है जिसकी आँखों और चेहरे पर खौफ दिखाई दे रहा है। अचानक से घर के दरवाजे पर एक मिस्ट्री मैन दिखाई देता है जो सिर से पैर तक पूरा ढका हुआ है और उसके हाथ में एक मैग्नीफाइंग लेंस दिखता है। बैकग्राउंड में डरावना म्यूजिक सुनाई दे रहा है। इसके बाद वह मिस्ट्री मैन उस व्यक्ति का कत्ल कर देता है। अगले सीन में मोटरसाइकिल पर पुलिस की यूनिफॉर्म में हिरोइक एंट्री होती है कबीर राठोर यानी इस फिल्म से अपना बॉलीवुड डैब्यू करने वाले अबीर खान की जो कार में बैठे हुए एक अपराधी और उसके साथियों की बुरी तरह फाईट करते हुए दिखाई देते हैं। अगले सीन में वरिष्ठ अभिनेता रजा मुराद का स्वीमिंग पूल के किनारे कत्ल होता हुआ दिखाया गया है और कातिल कोई और नहीं फिर से वही मिस्ट्री मैन है। इसके बाद के सीन में मिस्ट्री मैन अपने हाथ में खून से सनी हुई चाकू लिए हुए दिखता है और दिखाई देते हैं फिल्म इंडस्ट्री के मंझे हुए अभिनेता किरण कुमार और राजेश शर्मा जिनके माथे पर चिंता की लकीरें हैं। इसके बाद वही मिस्ट्री मैं एक के बाद एक कई कत्ल कर देता है और टीजर के अंत में अबीर खान का उस मिस्ट्री मैन के साथ जबरदस्त एक्शन के साथ क्लैश दिखाया गया है। मिस्ट्री मैन कौन है इसका खुलासा तो 17 जनवरी को फिल्म की रिलीज के साथ ही हो पाएगा। टीजर देख कर पता चलता है कि फिल्म में सस्पेंस और थ्रिल और रोमांच का मिक्चर तैयार किया गया है नौशाद सिद्दीकी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण रफत फिल्म एंटरटेनमेंट ने किया है। फिल्म में संगीत एच. रॉय ने दिया है जबकि कहानी जेबा के. द्वारा लिखी गई है।निर्देशक नौशाद सिद्दीकी ने कहा कि फिल्म की कहानी युनीक है, हम दर्शकों तक इस फिल्म के जरिए एक यंग टैलेंट अबीर खघन को इंट्रोड्यूस कर रहे हैं फिल्म में चौंकाने वाले सस्पेन्स सीन्स, जबरदस्त थ्रिल, जोरदार एक्शन और भरपूर ड्रामा है। अबीर के साथ ही हमने बॉलीवुड के स्थापित कलाकारों को एकसाथ लाने का प्रयास किया है और इस रोमांचक कहानी को पर्दे पर बहुत ही दिलचस्प तरीके से फिल्माया हैं। मैं कह सकता हूँ की बॉलीवुड को अबीर खान के रूप में एक फ्रेश टैलेंट मिलने जा रहा है और एक दिलचस्प कहानी देखने को मिलेगी जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के लिए तैयार है। रिलायंस एंटरटेनमेंट प्रस्तुत और रफत फिल्मस एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित फिल्म मिशन ग्रे हाउस में अबीर खान के साथ ही पूजा शर्मा भी अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं साथ ही राजेश शर्मा, रजा मुराद, निखत खान और किरण कुमार जैसे फिल्म इंडस्ट्री के मंझे हुए और स्थापित कलाकारों से सजी है जिन्होंने अपने अनुभव और अद्भुत अभिनय क्षमता से फिल्म को रोचक बना दिया है। एक्शन व थ्रिलर के साथ ही यह एक म्यूजिकल फिल्म हैं जिसमें सुखविंदर और शान जैसे बड़े सिंगर के गाने भी हैं फिल्म की शूटिंग लोनावाला और पुणे के खूबसूरत लोकेशन पर हुई है। रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

अर्जुन कपूर से अलग होने के बाद मलाइका अरोड़ा नये साल में चुनेंगी नयी राह, 'मैं सिंगल हूं' वाले कमेंट पर एक्ट्रेस ने किया रिएक्ट

मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में अर्जुन कपूर द्वारा उनके ब्रेकअप की पुष्टि के बारे में बात की। अक्टूबर में, अर्जुन ने एक कार्यक्रम में 'मैं सिंगल हूं' की घोषणा की, जिससे उनके रिश्ते के बारे में अटकलों पर विराम लग गया। जबकि अर्जुन ने तब से इस मामले पर चुप्पी साध रखी है, मलाइका ने उनके बयान पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि वह अपने निजी जीवन को निजी रखना और सार्वजनिक बहस से दूर रखना पसंद करती हैं।

मलाइका अरोड़ा की प्रतिक्रिया

हाल ही में म्प्पउमे से बातचीत में, मलाइका ने इस स्थिति को शालीनता से संबोधित करते हुए कहा, ष्मैं एक बहुत ही निजी व्यक्ति हूं, और मेरे जीवन के कुछ पहलू हैं जिनके बारे में मैं ज़्यादा विस्तार से नहीं बताना चाहती। मैं अपने निजी जीवन के बारे में बात करने के लिए कभी भी सार्वजनिक मंच नहीं चुनूंगी। इसलिए, अर्जुन ने जो कुछ भी कहा है, वह पूरी तरह से उनका विशेषाधिकार है। हां, यह कई कारणों से एक बहुत ही मुश्किल साल रहा है। मुझे लगता है कि हम सभी के लिए यह समय है कि हम इस साल जो कुछ भी हुआ उससे आगे बढ़ जाएं। मैं नए साल और अपने जीवन की नई शुरुआत के लिए तैयार हूं।

अर्जुन कपूर ने कहा था 'मैं सिंगल हूं'

इससे पहले, अर्जुन ने पैपराज़ी से कहा था, नहीं, अब मैं सिंगल हूं, रिलैक्स करोष (नहीं, मैं अब सिंगल हूं। रिलैक्स करो)। अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा ने 2017 में अपने पूर्व पति अरबाज खान से तलाक के बाद 2018 में डेटिंग शुरू की। इस जोड़े ने 2019 में अपने रिश्ते को इंस्टाग्राम पर आधिकारिक बना दिया और सार्वजनिक रूप से इस पर चर्चा करने के लिए खुले थे, अर्जुन अक्सर संभावित शादी की योजनाओं के बारे में सवाल पूछते थे। उनके ब्रेकअप की अटकलें कुछ समय से चल रही थीं, खासकर तब जब उन्होंने सोशल मीडिया से अपनी साथ की तस्वीरें हटा दीं। इसके अलावा, अर्जुन ने अपनी फिल्म सिंघम अगेन के प्रचार के दौरान मलाइका के साथ अपने ब्रेकअप की पुष्टि करते हुए कहा कि वह फिलहाल सिंगल हैं। अपने अलगाव के बावजूद, उन्होंने अपने जीवन में भावनात्मक बंधनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन लोगों के लिए मौजूद रहने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जिनकी उन्हें परवाह है।

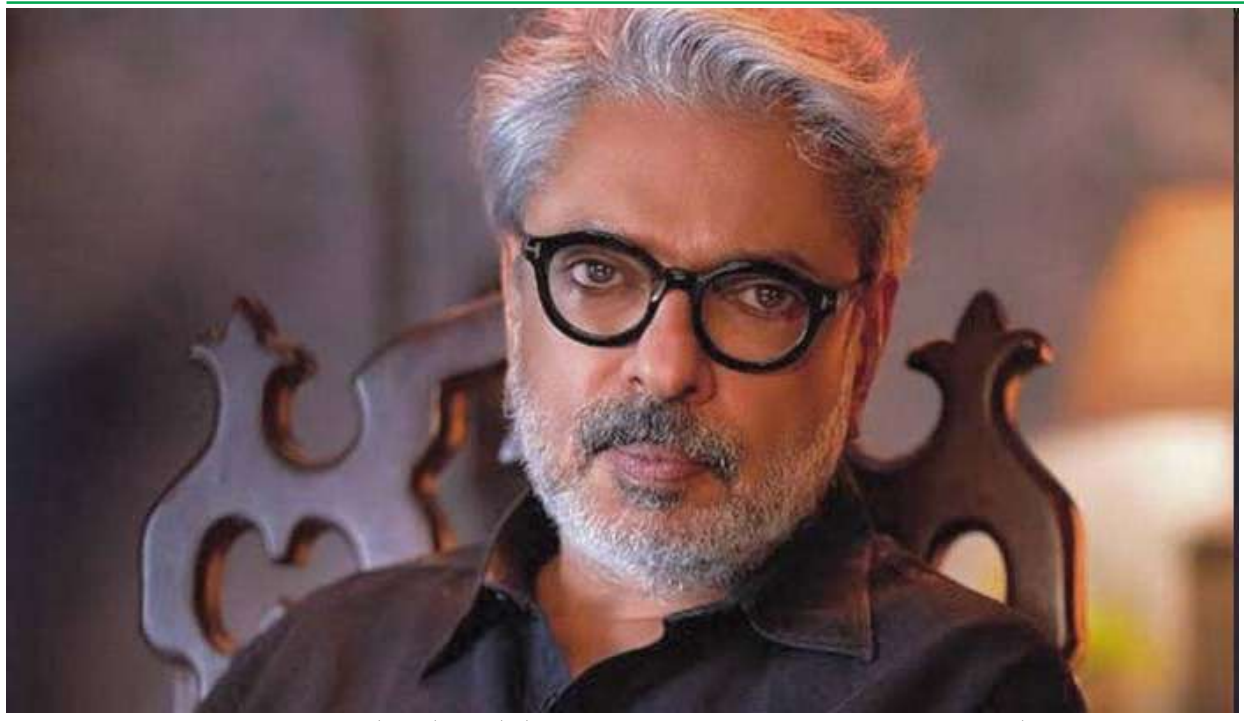

संजय लीला भंसाली की बाजीराव मस्तानी के मल्हारी सॉन्ग को मार्वल के सीजन 3 में किया गया रीक्रिएट

संजय लीला भंसाली भारतीय सिनेमा के सबसे बेहतरीन फिल्ममेकर्स में से एक हैं, जो दुनिया भर के दर्शकों के लिए शानदार फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। उनका काम और उनके बड़े पैमाने की फिल्में पूरी दुनिया में सराही जाती हैं। संजय लीला भंसाली की कई शानदार फिल्मों में से, बाजीराव मस्तानी का गाना मल्हारी मार्वल के व्हाट इफ? सीजन 3 में रीक्रिएट किया गया है। जो इंडियन मार्वल फैंस के लिए यह एक जबरदस्त सरप्राइज था, जब मार्वल के एनीमेटेड सीरीज के तीसरे सीजन में एसएलबी की बाजीराव मस्तानी का मशहूर गाना ष्मल्हारीष पेश किया गया। यह सीन, जो दूसरे एपिसोड में दिखाई देता है, उसमें कुमैल नांजियानी अपने किरदार किंगो के रूप में वापसी करते हैं, जो भारतीय मूल का सुपरहीरो और एक बॉलीवुड सुपरस्टार है। मल्हारी, जो 2015 में संजय लीला भंसाली की फिल्म में रणवीर सिंह पर फिल्माया गाया गाना है, वह एक हाई एनर्जी सॉन्ग है। व्हाट इफ३? में इसका रीक्रिएशन मार्वल की खास कहानी कहने की स्टाइल को"स्ठ के खूबसूरत म्यूजिक के साथ मिलाकर गाने की अनमैचेबल एनर्जी को पूरी तरह से पकड़ता है। इस सीन को फैन्स ने बहुत पसंद किया, क्योंकि यह भारतीय सिनेमा के प्रति सच्चाई और सम्मान को दर्शाता है। कुमैल नांजियानी का एनिमेटेड किंगो शानदार डांस करता है, जो क्लासिक बॉलीवुड कोरियोग्राफी की याद दिलाता है।यह पहली बार नहीं है जब मार्वल ने अपनी कहानियों में कल्चरल मेल को दिखाया है, लेकिन मल्हारी जैसे आइकॉनिक बॉलीवुड गाने को रीक्रिएट करना रिप्रेजेंटेशन को एक नए लेवल पर ले जाता है। बहुत से इंडियन फैंस के लिए यह गर्व और रोमांच का पल था, जब उन्होंने एक पसंदीदा बॉलीवुड गाने को मार्वल यूनिवर्स में देखा। इसके साथ ही संजय लीला भंसाली की नेक्स्ट फिल्म लव एंड वॉर का इंतजार और भी बढ़ गया है। ऐसे में, यह देखना दिलचस्प होगा कि संजय लीला भंसाली और रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, और विक्की कौशल की टैलेंटेड तिकड़ी बड़े पर्दे पर कैसे साथ आती है। यह फिल्म 20 मार्च, 2026 को रिलीज होगी।

स्वाद में बेजोड़ होती है मूंगफली की सब्जी, उंगलियां चाटने पर हो जाएंगे मजबूर

सर्दियों के मौसम में हम सभी को धूप में बैठकर मूंगफली और रेवड़ी खाने में बहुत मजा आता है। सर्दियों में मार्केट में हर जगह मूंगफली देखने को मिलती है। जब आप वॉक करने निकलें या फिर कहीं ट्रैवल करना हो हम पैकेट्स में भुनी हुई मूंगफली सफर का बढ़िया स्नैक्स बन जाती है। वहीं बहुत सारे लोग मूंगफली की कई रेसिपीज भी बनाते हैं। तो कुछ लोग इसे डेजर्ट में डालते हैं और इसका बटर भी काफी पसंद किया जाता है। लेकिन क्या आपने मूंगफली की सब्जी खाई है। अगर आपका जवाब नहीं है तो हम आपको मूंगफली की सब्जी की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के रूरल एरिया में मूंगफली का प्रोडक्शन ज्यादा होता है। मूंगफली की मसालेदार सब्जी बनाई जाती है। हालांकि हर कोई इसे अलग–अलग स्टाइल में बनती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मूंगफली की रेसिपीज के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

मूंगफली– 1 ½ कप
नमक– ½ चम्मच
मसाला बेस के लिए– 1 बड़ा चम्मच तेल
जीरा– 1 छोटा चम्मच
काली मिर्च– 8–10
लाल मिर्च– 2 सूखी
अदरक– ½ इंच स्लाइस
लहसुन– 8–10
प्याज– 2
टमाटर– 2
सूखा नारियल– 1 बड़ा चम्मच
पानी आवश्यकतानुसार
अंतिम मसाला के लिए– 1 बड़ा चम्मच तेल
करी पत्ता– 8–10
लाल मिर्च पाउडर– 1 छोटा चम्मच
चाट मसाला– 1 छोटा चम्मच
गरम मसाला– ½ छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर– ½ छोटा चम्मच
उबली हुई मूंगफली
कसूरी मेथी– 1 बड़ा चम्मच
नमक स्वादानुसार
धनिया– 1 बड़ा चम्मच

ऐसे बनाएं मूंगफली की सब्जी

सबसे पहले मूंगफली को उबालकर अलग रखें और अब एक पैन में तेल गर्म करें और मसाले का बेस तैयार करें। पैन में खड़े मसालों के साथ अदरक और लहसुन भून लें। अब प्याज डालकर ब्राउन होने तक भूनें और फिर टमाटर डालकर उसको नरम होने दें। फिर इसमें सूखा नारियल डालकर अच्छे से भूनें और इस मिश्रण को ठंडा होने के लिए रख दें। जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो एक दूसरे पैन में तेल गर्म करके उसमें जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, गरम मसाला और हल्दी पाउडर डालकर भूनें।

अब दूसरे पैन में ब्लेंड किया और पेस्ट डालकर इसको अच्छे से पका लें। अंत में मूंगफली, नमक और कसूरी मेथी डालकर कुछ देर पकाएं। अब इसमें जरूरत के हिसाब से पानी डालकर 1–2 मिनट के लिए ढककर पकाएं। आखिरी में हरा धनिया डालकर इसे गार्निश करें और जीरा चावल के साथ गर्मागर्म परोसें।

पंजाबी वेडिंग के लिए चाहिए पटोला लुक तो कैरी करें ऑक्सीडाइज झुमके, यहां देखें कलेक्शन

महिलाएं अपने आउटफिट के साथ–साथ मेकअप, हेयरस्टाइल और ज्वेलरी का भी खास ख्याल रखती हैं। तब कहीं जाकर उनका लुक कंप्लीट होता है। कई बार आउटफिट बहुत अच्छा होता है, लेकिन सिंपल एक्सेसरीज के साथ लुक में मजा नहीं आता है। ऐसे में हमेशा सही चीजों का चयन करना बेहद जरूरी होता है। बात की जाए अगर पंजाबी वेडिंग की, तो आपको पटोला लुक पाने के लिए अट्रैक्टिव चीजें वियर करनी पड़ती हैं। ऐसे में आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको ऑक्सीडाइज झुमकों का कलेक्शन दिखाने जा रहे हैं। इन ऑक्सीडाइज झुमकों को आप पंजाबी वेडिंग में सलवार सूट संग कैरी कर अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं।

पर्ल बीड्स बिग झुमके

आप वेडिंग सीजन में एक्ट्रेस संजना सांघी के जैसे बिग डबल लेयर पर्ल बीड्स झुमके पहनकर खुद को एलीगेंट लुक दे सकती हैं। यह झुमके पटियाला सूट के साथ खूब अच्छे लगते हैं। यह झुमके आपको एथनिक टच देने के साथ आपका लुक चांद की तरह निखर आएगा।

स्माल सर्कल शेप झुमके

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने स्मॉल सर्कल शेप झुमकी एलिगेंट लुक देती हैं। अगर आप फेस ब्रॉड है, तो एक्ट्रेस की तरह स्मॉल झुमकी को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की झुमकी इयररिंग्स पेंट सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। आप इसको कैरी करके बेहद खूबसूरत नजर आएंगी। इसके साथ आप मिनिमल मेकअप और हेयर स्टाइल बना सकती हैं।

गजरा बीड्स झुमकी

इसके साथ ही आप ऐसी गजरा बीड्स झुमकी एकदम ट्रेडिशनल टच देने का काम करेंगी। आप पंजाबी वेडिंग के लिए इस तरह के झुमके पहन सकती हैं। लोकल मार्केट और ऑनलाइन में आपको इस तरह की झुमकियां आसानी से मिल जाएंगी। यह आपको कम दाम 100 रुपए से 500 रुपए तक में आसानी से मिल जाएंगे।

चांद बाली झुमके

पंजाबी वेडिंग में सलवार–सूट के संग इस तरह के चांद बाली झुमके आपकी खूबसूरती को बढ़ाने का काम करेंगे। आप भीड़ में एकदम अलग नजर आएंगी। आप चांद बाली झुमके न सिर्फ सूट बल्कि साड़ी पर भी पहन सकती हैं। ऑनलाइन ऐसे झुमके आसानी से मिल जाएंगे। वहीं अगर पैसे की बात की जाए, तो आपको 1000 रुपए के अंदर ऐसे झुमके मिल जाएंगे।

छोटे बाथरूम को बड़ा और आकर्षक बनाने के स्मार्ट टिप्सः रेनोवेशन के लिए जरूर आजमाएं ये आइडियाज

बाथरूम, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, आपके घर का एक अहम हिस्सा है। सही प्लानिंग और स्मार्ट डिजाइन्स से छोटे बाथरूम को स्टाइलिश, फंक्शनल और स्पेस सेविंग बनाया जा सकता है। अगर आप अपने बाथरूम के रेनोवेशन की सोच रहे हैं, तो यहां दिए गए ट्रेंडी और इनोवेटिव आइडियाज आपके काम आ सकते हैं।

हल्के और न्यूट्रल रंगों से बड़ा दिखाएं स्पेस

सफेद, हल्का नीला और बेज जैसे हल्के रंग छोटे बाथरूम को खुला और हवादार दिखाने में मदद करते हैं। बड़े साइज की टाइल्स का इस्तेमाल करें ताकि फर्श और दीवारें क्लीन और यूनिफॉर्म लगें। हल्के रंगों की यह रणनीति बाथरूम को रोशनी से भरपूर और बड़ा दिखाती है।

दीवारों का स्मार्ट उपयोग

छोटे बाथरूम में वॉल माउंटेड शेल्फ, हुक और रैक का इस्तेमाल जगह को व्यवस्थित और क्लटर–फ्री बनाता है। वॉशबेसिन के ऊपर अलमारी या दीवारों में इनबिल्ट स्टोरेज से अतिरिक्त स्पेस का बेहतर उपयोग किया जा सकता है।

फ्लोटिंग वैनिटी और कॉम्पैक्ट फिटिंग्स का चयन करें

फ्लोटिंग वैनिटी न केवल स्पेस बचाती है, बल्कि बाथरूम को आधुनिक लुक भी देती है। स्लिम और मिनिमलिस्टिक सिंक और शॉवर फिटिंग्स का चयन बाथरूम को क्लीन और व्यवस्थित दिखाने में मदद करता है।

कांच के शॉवर डिवाइडर से बड़ा दिखाएं बाथरूम

पारदर्शी कांच का शॉवर डिवाइडर स्पेस को खुलेपन का अहसास देता है। फ्रॉस्टेड या स्लाइडिंग कांच एक आधुनिक और स्मार्ट विकल्प है। इसके साथ दीवार में शावर निचेस बनाएं ताकि शैम्पू और अन्य जरूरी सामान स्टाइलिश और व्यवस्थित तरीके से रखा जा सके।

बड़े और बैकलिट मिरर का उपयोग करें

एक बड़ा मिरर बाथरूम को विशाल और रोशनी से भरपूर दिखाने में जादू की तरह काम करता है। मिरर कैबिनेट का उपयोग करें, जो स्टोरेज के साथ–साथ एक मॉडर्न लुक भी प्रदान करता है। बैकलाइटिंग मिरर के चारों ओर एक एलीगेंट टच जोड़ती है।

ग्रीनरी और वॉलपेपर से सजाएं बाथरूम

छोटे पौधों या वर्टिकल गार्डन से बाथरूम में नेचुरल टच जोड़ें। इसके अलावा, वॉटरप्रूफ वॉलपेपर का इस्तेमाल करके बाथरूम को एक अनोखा और ट्रेंडी लुक दें। फ्लोरल या जियोमेट्रिक डिजाइन वाला वॉलपेपर आपके बाथरूम को मजेदार और आकर्षक बना सकता है।

मॉड्यूलर स्टोरेज और फोल्डेबल दरवाजे का इस्तेमाल करें

छोटे बाथरूम में मूवेबल शेल्फ और स्टैकिंग बॉक्स जैसे मॉड्यूलर स्टोरेज का उपयोग करें। ये न केवल जगह बचाते हैं, बल्कि जरूरत के अनुसार इन्हें सेट भी किया जा सकता है। फोल्डेबल या स्लाइडिंग दरवाजे स्पेस सेविंग का एक शानदार समाधान हैं।

रोशनी का सही संयोजन करें

एलईडी पैनल्स, सस्पेंडेड लाइटिंग और वॉशबेसिन के ऊपर टास्क लाइटिंग लगाकर बाथरूम को ब्राइट और आकर्षक बनाएं। नैचुरल लाइट के लिए वेंटिलेशन और बड़ी विंडो का इस्तेमाल करें। यह न केवल बाथरूम को रोशन करता है, बल्कि इसे बड़ा दिखाने में भी मदद करता है।

सस्टेनेबल मटीरियल्स का उपयोग

बांस, लकड़ी या सस्टेनेबल टाइल्स का उपयोग करके बाथरूम को इको–फ्रेंडली और गर्माहट भरा लुक दें। यह न केवल पर्यावरण के लिए बेहतर है, बल्कि आपके बाथरूम को एक नेचुरल टच भी देता है।

कोनों का सही इस्तेमाल करें

बाथरूम के कोनों को खाली न छोड़ें। यहां ट्रायंगल शेल्फ, कोने की वैनिटी या छोटे पौधे रखकर स्पेस का पूरा उपयोग करें। कोनों में वॉल–फिटेड स्टोरेज कैबिनेट्स भी लगाए जा सकते हैं। छोटे बाथरूम को डिजाइन करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन ऊपर दिए गए टिप्स और स्मार्ट डिजाइन्स को अपनाकर आप इसे बड़ा, स्टाइलिश और फंक्शनल बना सकते हैं। अगली बार जब आप अपने घर का रेनोवेशन करें, तो इन आइडियाज को जरूर अपनाएं और अपने बाथरूम को अपने घर का सबसे खास हिस्सा बनाएं। अब छोटे बाथरूम का मतलब सिर्फ जगह की कमी नहीं, बल्कि स्टाइल और कार्यक्षमता का परफेक्ट मेल भी है!

मखाने को बनाएं अंडे से 10 गुना ताकतवर, इन देसी तरीकों से पाएं मजबूत शरीर

मखाना, जिसे फॉक्स नट्स भी कहा जाता है, एक बेहद पौष्टिक और सेहतमंद स्नैक है। यह भारत में खासकर पर्व–त्योहारों में खाया जाता है और आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से भी इसका बहुत महत्व है। यह हल्का और पचने में आसान होता है, साथ ही इसमें फाइबर, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि मखाने को और भी अधिक ताकतवर और लाभकारी कैसे बनाया जा सकता है? इस लेख में हम आपको बताएंगे कि बुजुर्गों के बताए गए दो देसी तरीके से मखाने को अंडे से 10 गुना ज्यादा ताकतवर कैसे बनाया जा सकता है।

मखाने और घी का मिश्रण– बडी ताकत के लिए

बुजुर्गों के अनुसार, मखाने को घी में तला जाए तो यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। घी में मखाने को भूनने से इसके पोषक तत्व और भी ज्यादा शरीर को लाभ पहुंचाते हैं। घी में मखाना पकाने से यह शरीर को ऊर्जा और ताकत प्रदान करता है, जो अंडे के मुकाबले कहीं अधिक होता है। सबसे पहले मखाने को अच्छे से धोकर सूखा लें। फिर एक कढ़ाई में 1–2 चम्मच घी डालकर मखानों को हल्के से भूने, ध्यान रखें कि मखाने जलें नहीं। जब मखाने कुरकुरे हो जाएं, तो आप इसमें एक चुटकी नमक और कुछ इलायची पाउडर भी डाल सकते हैं। इस तले हुए मखाने को गर्मा–गर्म खाएं। यह आपकी ताकत को तुरंत बढ़ाएगा और शरीर को ऊर्जा देगा।

लाभः घी से शरीर को बहुत सारी स्वस्थ वसा मिलती है, जो मसल्स को बढ़ाने में मदद करती है। यह शरीर को ताकत और सहनशक्ति बढ़ाने में भी मदद करता है। घी और मखाने का यह मिश्रण हृदय, हड्डियों और त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है।

मखाने और दूध का मिश्रण– मसल्स के लिए बढ़िया

दूसरा तरीका है मखाने को दूध में उबालने का, जिसे विशेष रूप से मसल्स बनाने में मदद मिलती है। मखाना और दूध का यह मिश्रण शरीर के लिए एक संपूर्ण भोजन बन जाता है, जिससे मसल्स तेजी से बढ़ते हैं और शरीर को भरपूर ताकत मिलती है। मखाने में मौजूद प्रोटीन और दूध के कैल्शियम से हड्डियों की मजबूती भी बढ़ती है। सबसे पहले मखाने को हल्का सा भून लें। फिर एक पैन में 1 कप दूध डालें और उसमें भुने हुए मखाने डालकर अच्छे से उबालें। दूध में मखाने अच्छे से पकने के बाद, उसमें शहद या मिश्री डालकर स्वाद बढ़ा सकते हैं। यह मिश्रण सुबह या रात के समय सेवन करें।

लाभः मखाने और दूध का यह मिश्रण मसल्स और हड्डियों को मजबूत बनाता है। इससे शरीर को ताकत, ऊर्जा और मानसिक शांति भी मिलती है।

यह मिश्रण वजन घटाने में भी मदद करता है, क्योंकि मखाने में कम कैलोरी होती है, जबकि दूध से प्रोटीन और कैल्शियम मिलते हैं।

मखाने के अन्य फायदे

दिल की सेहतः मखाने में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स दिल के लिए फायदेमंद होते हैं और रक्तदाब को नियंत्रित करते हैं।

कैंसर से बचावः मखाने में फ्लेवोनॉयड्स होते हैं, जो कैंसर की कोशिकाओं के बढ़ने को रोक सकते हैं।

हैश्टी वेट लॉसः मखाना वेट लॉस के लिए भी बहुत अच्छा होता है क्योंकि इसमें कम कैलोरी और उच्च प्रोटीन की मात्रा होती है।

मखाने को अंडे से 10 गुना ज्यादा ताकतवर बनाने के लिए, बस आपको इसे घी में तला हुआ या दूध में उबाल कर खाना है। ये दोनों देसी तरीके न केवल मखाने के फायदे बढ़ाते हैं, बल्कि शरीर को तगड़ा और मजबूत भी बनाते हैं। नियमित रूप से इन तरीकों का पालन करने से आप खुद को तंदरुस्त, शक्तिशाली और सेहतमंद पाएंगे।

संक्षिप्त

एयरटेल में गड़बड़ से देशभर में मोबाइल, ब्रॉडबैंड यूजर्स प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरटेल के ग्राहकों को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। एयरटेल का नेटवर्क डाउन हो गया है। नेटवर्क डाउन होने के कारण लोग काफी अधिक परेशान हो रहे है। वहीं इंटरनेट एक्सेस करने की कोशिश भी विफल हो रही है। एयरटेल यूजर्स को कनेक्टिविटी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबकिक 26 दिसंबर को सुबह 10.25 बजे आउटेज शुरू हुआ है। इस कारण मोबाइल डेटा और ब्रॉडबैंड सेवाएं दोनों प्रभावित हुई है। कई यूजर्स ने अपने अनुभव साझा करने के लिए एक्स पर इसके संबंध में पोस्ट शेयर किए है। इस दौरान इंटरनेट एक्सेस करने के साथ कॉल करने में भी समस्या हो रही है। कई यूजर्स ने स्थिति को पूरी तरह से सेवा ब्लैकआउट भी बताया है। वेबसाइट स्टेटस ट्रैकिंग टूल, डाउनडिटेक्टर.कॉम के अनुसार, एयरटेल द्वारा पेश की जाने वाली मोबाइल और ब्रॉडबैंड सेवाएं यूजर्स उपयोग नहीं कर सके। डाउनडिटेक्टर के अनुसार, लगभग 46: उपयोगकर्ता पूर्ण ब्लैकआउट का सामना कर रहे हैं, 32: को सिग्नल नहीं मिल रहा है और 22: को मोबाइल कनेक्टिविटी से जुड़ी समस्याएँ हैं। जानकारी के मुताबिक आउटेज का कारण अभी भी अज्ञात है। एयरटेल ने व्यवधान के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। कई यूजर्स ने एयरटेल नेटवर्क समस्या पर अपनी निराशा व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। इसमें कॉल ड्रॉप, धीमी इंटरनेट स्पीड और पूरी तरह से कनेक्टिविटी गायब होने की रिपोर्ट शामिल है।

उतार-चढ़ाव के बावजूद नवंबर में 35 लाख नए निवेशक शेयर बाजार से जुड़े, एनएसई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, शेयर बाजारों में चल रही अस्थिरता के बीच, नवंबर में 35 लाख से अधिक नए निवेशक शेयर बाजारों में शामिल हुए हैं। इस उछाल ने निवेशकों की कुल संख्या को नवंबर के अंत में 10.85 करोड़ तक पहुंचा दिया है, जबकि अक्तूबर में यह 10.5 करोड़ थी। रिपोर्ट में कहा गया है, बाजारों में लोगों की रुचि बढ़ने से आंकड़े बढ़े हैं। फरवरी में अद्वितीय निवेशकों (यूनिक इन्वेस्टर्स) की संख्या नौ करोड़, अगस्त में 10 करोड़ और वर्तमान में 10.85 करोड़ हो गई है। इन निवेशकों के व्यापार (यूसीसी) के माध्यम से खातों की संख्या लगभग 21 करोड़ है। पिछले महीने, एनएसई ने बताया था कि अगस्त में कुल पंजीकृत निवेशकों की संख्या 10 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई और अक्तूबर 2024 तक यह 10.5 करोड़ हो गई है। अगस्त में 10 करोड़ (100 मिलियन) का आंकड़ा पार करने के बाद अक्तूबर 2024 में कुल पंजीकृत निवेशकों की संख्या 10.5 करोड़ थी। महाराष्ट्र सबसे अधिक पंजीकृत निवेशकों के साथ शेयर बाजार में निवेशक के मामले में देश में सबसे अव्वल बना हुआ है। राज्य में लगभग 1.8 करोड़ निवेशक हैं। हालांकि कुल निवेशक आधार की बात करें तो महाराष्ट्र की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2015 के लगभग 20 प्रतिशत से घटकर नवंबर 2024 में 16.5 प्रतिशत हो गई है। उत्तर प्रदेश अपने निवेशक आधार में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है। राज्य ने अप्रैल में एक करोड़ निवेशकों का आंकड़ा पार किया और नवंबर के अंत तक यह आंकड़ा 1.2 करोड़ निवेशकों तक पहुंच गया, यह कुल निवेशक आधार का 11.3 प्रतिशत है, जो वित्त वर्ष 2015 में 6.9 प्रतिशत था। गुजरात 94.9 लाख निवेशकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि पश्चिम बंगाल और राजस्थान में क्रमशः 62.5 लाख और 61.4 लाख निवेशक हैं। इन पांच राज्यों में कुल पंजीकृत निवेशकों का 48.3 प्रतिशत हिस्सा है। दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट में शीर्ष 10 के अलावे अन्य राज्यों के बढ़ते योगदान का भी जिक्र किया गया है। इन राज्यों में अब कुल निवेशक आधार का 27 प्रतिशत हिस्सा है, जो वित्त वर्ष 2020 में 23 प्रतिशत था। बिहार और असम ने इस वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो छोटे क्षेत्रों में बाजार के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

भारत 2035 तक तेल की वैश्विक मांग बढ़ाएगा, आईईए रिपोर्ट की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2035 तक वैश्विक तेल मांग में वृद्धि का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत इस अवधि के दौरान वैश्विक तेल मांग में लगभग 2 मिलियन बैरल प्रति दिन (एमबी/डी) जोड़ेगा, जिससे यह पूरे पेट्रोलियम उद्योग का प्राथमिक विकास चालक बन जाएगा। रिपोर्ट ने कहा, भारत 2035 तक लगभग 2 मिलियन बैरल प्रति दिन (एमबी/डी) जोड़कर तेल मांग वृद्धि का मुख्य स्रोत बन गया है। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब चीन, जो ऐतिहासिक रूप से तेल बाजार की वृद्धि का नेतृत्व कर रहा है, बिजली से चलने वाली ऊर्जा के उपयोग की ओर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ने के कारण सड़क परिवहन के लिए चीन की तेल खपत में गिरावट आने का अनुमान है। हालांकि, पेट्रोकेमिकल उत्पादन में तेल के बढ़ते उपयोग से यह गिरावट आंशिक रूप से ऑफसेट हो जाती है। वैश्विक स्तर पर, स्टेटेड पॉलिसी परिदृश्य (STEPS) के तहत तेल की मांग में वृद्धि धीमी हो रही है। यह प्रमुख तेल उत्पादक देशों के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियों का कारण बन रही है। इन देशों को अति आपूर्ति की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि 2030 तक अतिरिक्त कच्चे तेल की उत्पादन क्षमता बढ़कर 8 एमबी/डी हो जाने की उम्मीद है। आईईए ने मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनावों के कारण तेल और गैस आपूर्ति में संभावित निकट-अवधि व्यवधानों की भी चेतावनी दी है। आईईए की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (स्छळ) आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत वर्तमान में होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जो इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समुद्री चोकपॉइंट है। इन जोखिमों के बावजूद, रिपोर्ट में सुझाव दिया है कि बाजार संतुलन को आसान बनाने और तेल की मांग में वृद्धि में गिरावट से लंबे समय में कीमतें स्थिर हो सकती हैं। इसके अलावे, परिवहन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन चल रहा है।

'कोहली मुझसे गलती से टकराए...', पहले दिन के खेल के बाद बोले 19 साल के कोंस्टास, अनबन पर कही यह बात

मेलबर्न, एजेंसी। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले ऑस्ट्रेलिया के सैम कोंस्टास के बीच चौथे टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को मैदान पर झड़प हो गई। हालांकि, 19 वर्ष के ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने इस मामले को तूल नहीं देते हुए कहा कि कोहली गलती से उनसे टकरा गए। पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट गंवाकर 311 रन बना लिए हैं। कोंस्टास ने 65 गेंद में 60 रन की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने छह चौके और दो छक्के लगाए। ऑस्ट्रेलियाई पारी के दसवें ओवर के बाद जब खिलाड़ी एक दूसरे के सामने से गुजर रहे थे तब कोहली और कोंस्टास के कंधे टकरा गए थे। दोनों खिलाड़ियों ने पलटकर एक दूसरे को घूरकर देखा और कुछ बोले भी। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने आकर दोनों को अलग किया। मैदानी अंपायरों ने भी दोनों से बात की।

कोंस्टास ने दिया यह बयान

पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कोंस्टास ने कहा कि कोहली जान बूझकर उनसे नहीं टकराए थे। उन्होंने कहा, श्विराट कोहली गलती से मुझसे टकरा गए। यह क्रिकेट है और तनाव में ऐसा हो जाता है। मुझे लगता है कि हम दोनों पर जज्बात हावी हो गए थे। मुझे समझ में ही नहीं आया। मैं अपने दस्ताने पहन रहा था कि अचानक उनका कंधा मुझसे टकराया। क्रिकेट में यह सब होता रहता है। कोंस्टास उस समय 27 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने अगले ओवर में जसप्रीत बुमराह को दो चौके और एक छक्का लगाया। वह अर्धशतक बनाने के बाद रवींद्र जडेजा की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने इस घटना के लिए कोहली को

जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा, देखें कि विराट कहां से चलकर आए। वह पूरी पिच पार करके आए और झड़प की शुरूआत की। मुझे इसमें कोई शक नहीं है।

पोंटिंग ने कोहली को जिम्मेदार ठहराया

पोंटिंग ने कहा, श्मुझे इसमें कोई शक नहीं कि अंपायर और मैच रैफरी इस घटना पर गौर करेंगे। कोहली को बल्लेबाज के करीब नहीं होना चाहिए था। मुझे ऐसा लगा कि कोंस्टास ने काफी देर बाद ऊपर देखा। उन्हें पता भी नहीं चला कि कोई उनके सामने है। आईसीसी की आचार संहिता के अनुसार क्रिकेट में किसी भी तरह का अनुचित शारीरिक संपर्क निषिद्ध है। अगर खिलाड़ी किसी दूसरे खिलाड़ी या अंपायर से टकराते हैं या कंधे लगाते हैं, चाहे जान बूझकर या अनजाने में तो इस नियम का उल्लंघन माना जाएगा। लेवल एक के अपराध में मैच फीस का जुर्माना होता है। लेवल दो के अपराध में तीन या चार डिमेरिट अंक हो सकते हैं। हालांकि, देखना होगा कि आईसीसी क्या एक्शन लेता है।

स्टीव स्मिथ ने एमसीजी पर 10वीं बार बनाया 50+ स्कोर, डॉन ब्रैडमैन की खास सूची में हुए शामिल

मेलबर्न, एजेंसी। स्मिथ के अलावा ग्रेग चौपल, ब्रैडमैन और रिकी पोंटिंग ने भी एमसीजी पर 10 या इससे अधिक बार 50+ स्कोर किया है। चौपल इस सूची में शीर्ष पर हैं जिन्होंने 17 टेस्ट मैचों में एमसीजी पर 13 50+ स्कोर बनाया है।

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन अर्धशतकीय पारी खेली और ब्रिसबेन टेस्ट की फॉर्म में मेलबर्न में भी बरकरार रखा। स्मिथ इसके साथ ही डॉन ब्रैडमैन की एलीट सूची में शामिल हो गए हैं। दरअसल, स्मिथ का मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर यह 10वां 50+ स्कोर है और वह इस मैदान पर सबसे ज्यादा बार 50 या इससे अधिक का स्कोर बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। स्मिथ के अलावा ग्रेग चौपल, ब्रैडमैन और रिकी पोंटिंग ने भी एमसीजी पर 10 या इससे अधिक बार 50+ स्कोर किया है। चौपल इस सूची में शीर्ष पर हैं जिन्होंने 17 टेस्ट मैचों में एमसीजी पर 13 50+ स्कोर बनाया है। ब्रैडमैन और पोंटिंग क्रमशः 12 और 11 50+ स्कोर के साथ सूची में दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, स्मिथ चौथे स्थान पर हैं। स्मिथ ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन 71 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा।

स्मिथ 10000 टेस्ट रन बनाने के करीब

स्मिथ इस टेस्ट के दौरान एक और उपलब्धि अपने नाम हासिल कर सकते हैं। वह 10000 टेस्ट रन बनाने के करीब हैं और अगर स्मिथ ऐसा करने में सफल रहे तो वह ऑस्ट्रेलिया के चौथे ऐसे बल्लेबाज होंगे जिन्होंने टेस्ट में 10000 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए ऐसा अब तक पोंटिंग, एलन बॉर्डर और स्टीव वॉ ने ही किया है। स्मिथ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले दो मैचों में प्रभावित नहीं कर सके थे, लेकिन उन्होंने ब्रिसबेन में खेले गए तीसरे टेस्ट की पहली पारी में शतक जड़ा था और वापसी करने में सफल रहे थे।

मैच का हाल

मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में छह विकेट गंवाकर 311 रन बना लिए हैं। स्टीव स्मिथ 68 रन और कप्तान पैट कमिंस आठ रन बनाकर नाबाद हैं। पहले दिन बराबरी की टक्कर रही। जहां पहला सत्र ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। वहीं, दूसरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच मजबूत प्रतिद्वंद्विता दिखी। तीसरे सत्र में भारत पूरी तरह से हावी रहा। इस मैच के लिए दोनों टीमों में एक-एक बदलाव हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड और भारत ने शुभमन गिल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया।

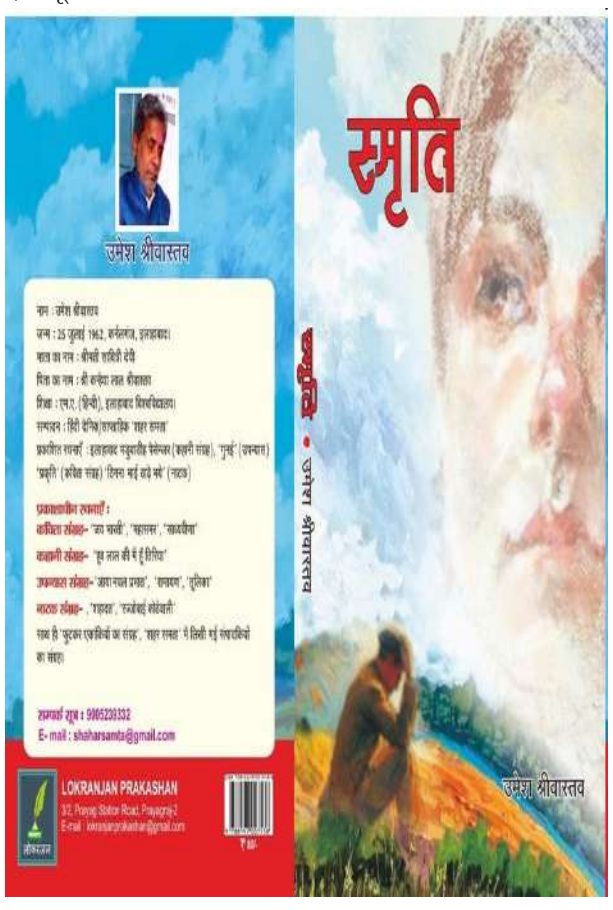

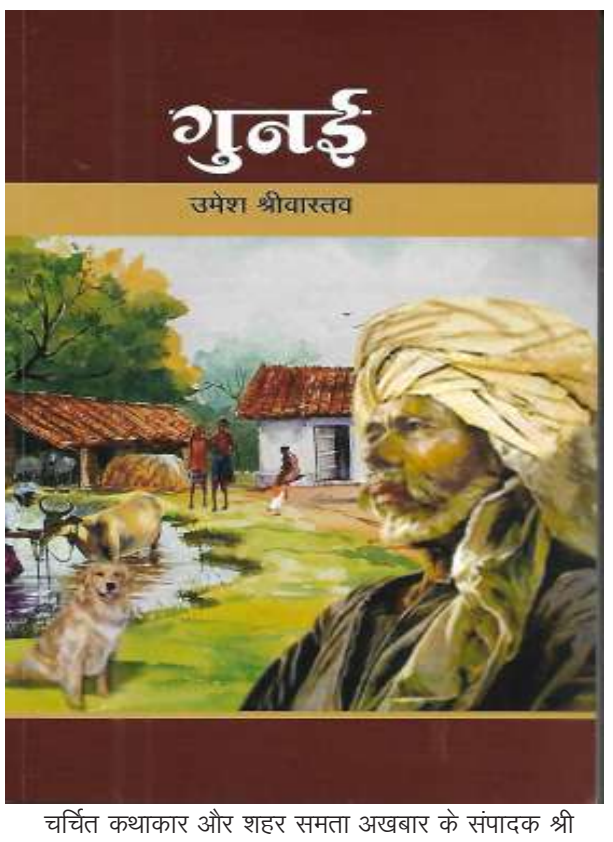

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

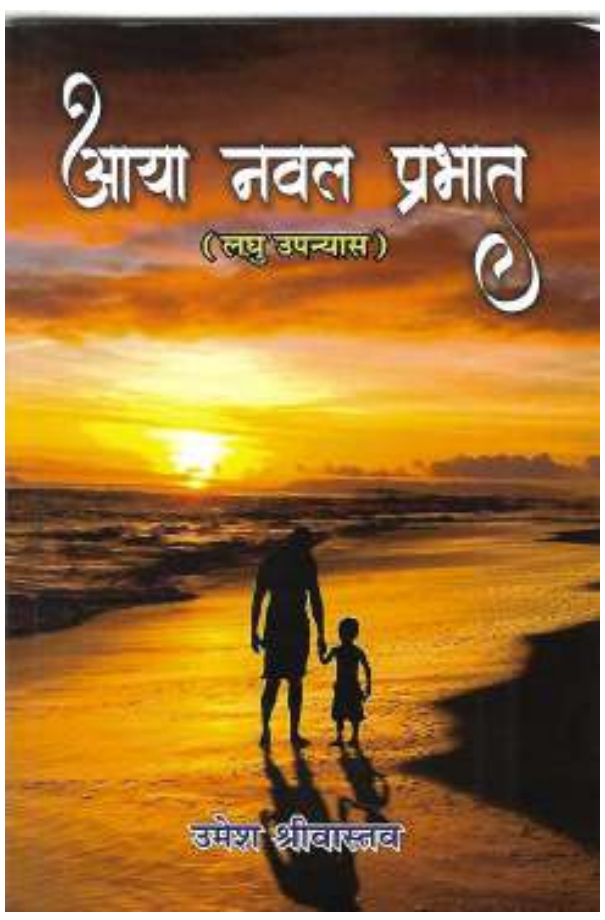

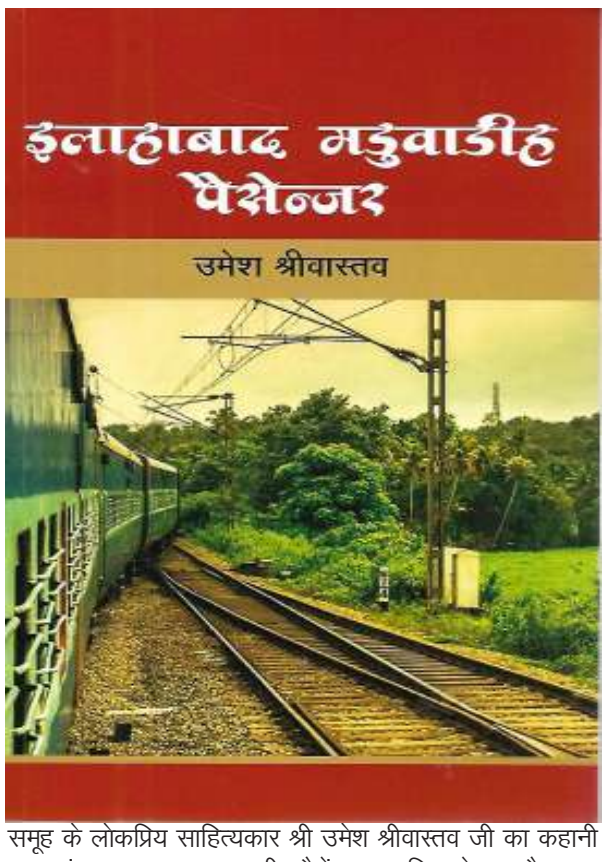

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

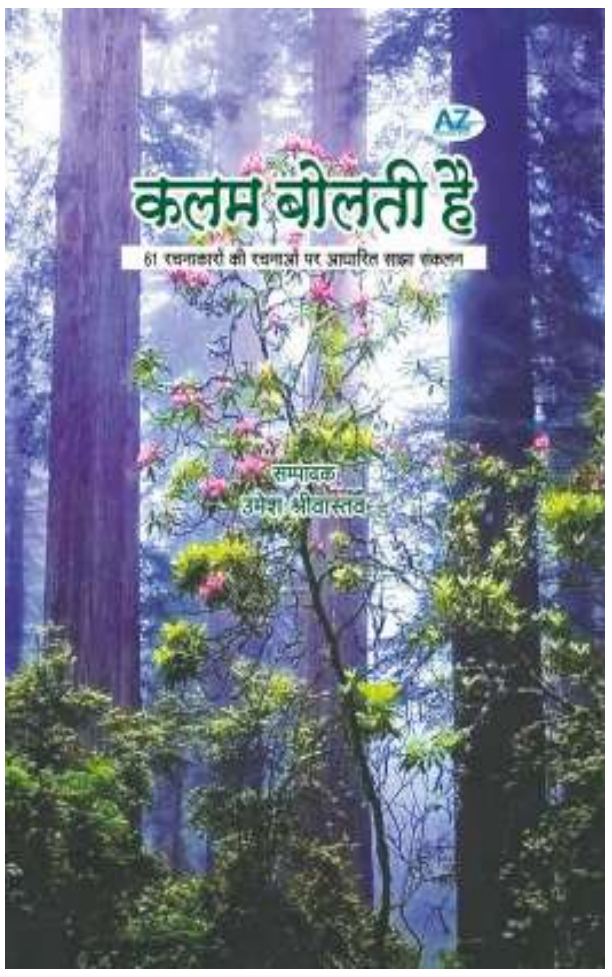

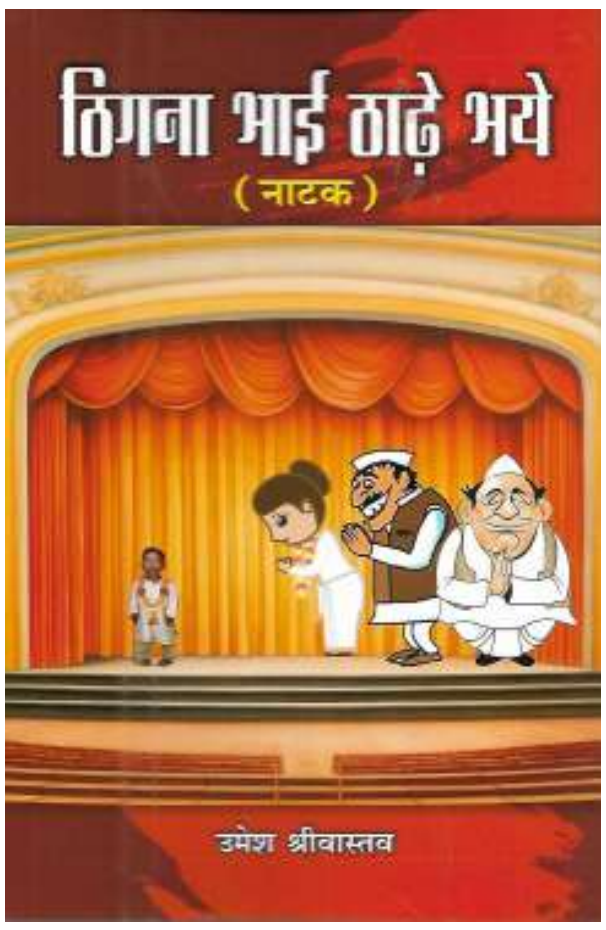

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

शिकागो से माउई पहुंचे विमान के 'व्हील वेल' में शव मिला

शिकागो, एजेंसी। शिकागो से हवाई के माउई द्वीप में पहुंचे एक विमान के 'व्हील वेल' में शव मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। विमानन कंपनी और पुलिस विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। 'व्हील वेल' विमान के नीचे की ओर बनी वह खाली जगह होती जिसमें विमान के पहिए उड़ान भरने के बाद बंद होकर पहुंचते हैं।

विमानन कंपनी 'यूनाइटेड एयरलाइंस' ने ईमेल से भेजे एक बयान में बताया कि शिकागो से मंगलवार को काहुलुई हवाई अड्डे पर पहुंची उड़ान संख्या–202 के 'व्हील वेल' में शव मिला। विमानन कंपनी ने बताया कि 'बोइंग 787–10' के 'व्हील वेल' में केवल विमान के बाहर से ही पहुंचना संभव है और यह स्पष्ट नहीं है कि वह व्यक्ति इसमें कैसे पहुंचा होगा। माउई पुलिस ने ईमेल से भेजे बयान में कहा कि वह विमान के 'व्हील वेल' में शव मिलने के मामले की गहन जांच कर रही है।

सीरिया में सत्ता पर काबिज इस्लामवादियों और असद समर्थकों के बीच संघर्ष में छह लड़ाकों की मौत

सीरिया, एजेंसी। सीरिया पर कब्जा करने वाले इस्लामवादियों और देश के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल–असद के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार के समर्थकों के बीच संघर्ष में बुधवार को छह इस्लामी लड़ाके मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था ने यह जानकारी दी। 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने कहा कि हयात तहरीर अल–शाम या एचटीएस के ये लड़ाके पूर्ववर्ती असद

सरकार में अधिकारी रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने की कोशिश करते समय मारे गए। इस पूर्व अधिकारी पर हजारों कैदियों के खिलाफ मृत्युदंड और मनमाने फैसले जारी करने का आरोप है। एचटीसी ने असद को इस माह की शुरुआत में अपदस्थ करने वाले आश्चर्यजनक हमले का नेतृत्व किया था। कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों के अनुसार, असद को अपदस्थ किए जाने के बाद से बदला लेने के लिए की गई कार्रवाइयों में काफी संख्या में सीरियाई मारे गए हैं, जिनमें से अधिकतर अल्पसंख्यक अलावी समुदाय के हैं। अलावी समुदाय शिया इस्लाम की एक शाखा है जिससे असद संबंधित हैं। राजधानी दमिश्क में अलावी प्रदर्शनकारियों और सुन्नी प्रदर्शनकारियों के बीच हाथापाई हुई और गोलियों की आवाजें सुनी गईं। 'एसोसिएटेड प्रेस' गोलीबारी की फिलहाल पुष्टि नहीं कर सकता।

एयरलाइंस पर हुआ साइबर अटैक, टिकटों की बिक्री रोकनी पड़ी

जापान एयरलाइंस इस समय संकट से घिर गई है। जापान एयरलाइंस को गुरुवार 26 दिसंबर की सुबह साइबर अटैक का सामना करना पड़ा है। साइबर अटैक के कारण कंपनी के इंटरनल और आउटर सिस्टम पर असर हुआ है। इस अटैक की पुष्टि जापान एयरलाइंस ने सुबह की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी देते हुए कंपनी ने बताया कि इंटरनल और आउटर सिस्टम पर अटैक हुआ है। इस अटैक का असर आउटर सिस्टम पर पड़ा है। इस साइबर अटैक के कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित रहने वाली है। साइबर अटैक के बाद टिकटों की बिक्री बंद कर दी गई है। बता दें कि जापान एयरलाइंस देश की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइंस है। जापान एयरलाइंस की स्थापना 1 अगस्त, 1951 को हुई थी। एयरलाइन ने अपना परिचालन एक प्राइवेट कंपनी के रूप में शुरू किया, लेकिन जल्द ही यह एक सरकारी स्वामित्व वाली इकाई में बदल गई। 1987 में, एयरलाइन को फिर से पूरी तरह से प्राइवेट कर दिया गया। करीब आधे घंटे बाद जापान एयरलाइंस ने अपडेट पोस्ट करते हुए कहा कि उसने सुबह 8रू56 बजे (स्थानीय समयानुसार) समस्या का कारण पहचान लिया और कार्रवाई की। उसने कहा कि उसने राउटर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है जिसकी वजह से सिस्टम में खराबी आई थी और उसने आज रवाना होने वाली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए टिकट बिक्री भी रोक दी है। एयरलाइन ने ट्वीट किया, ''हमने सुबह 8:56 बजे समस्या का कारण पहचाना और कार्रवाई की। हम वर्तमान में सिस्टम रिकवरी स्थिति की जांच कर रहे हैं। इसके अलावा, आज रवाना होने वाली घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों उड़ानों के लिए बिक्री निलंबित कर दी गई है। किसी भी असुविधा के लिए हमें खेद है।''

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत के बाद रूस को भी आंखें दिखाने की कोशिश कर भी रहा था बांग्लादेश, मिल गई सख्त चेतावनी

बांग्लादेश तेजी से अपनी कब्र खोद रहा है और हर दिन उसे गहरा भी करता जा रहा है। बांग्लादेश ने भारत को धमकी देने के बाद अब रूस को भी विवाद में घसीट लिया है। एमजीआर रूस और भारत ने मिलकर बांग्लादेश की धज्जियां उड़ा दी हैं। रूस ने दहाड़ते हुए बांग्लादेश को धोया है तो वहीं भारत ने कूटनीतिक खामोशी से बांग्लादेश को जबरदस्त झटकवड़िया है। दरअसल, रूस बांग्लादेश के पहला न्यूक्लियर पावर प्लांट बना रहा है। इस प्रोजेक्ट में कुछ भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट का नाम रूपपुर पावर न्यूक्लियर प्लांट है। रूस और भारत के साथ मिलकर ही शेख हसीना ने बांग्लादेश में शुरू करवाया था। रूपपुर प्रोजेक्ट पर जबरदस्त गति से काम चल रहा था मगर शेख हसीना के तख्तापलट के बाद प्रोजेक्ट लटकता दिख रहा है। बांग्लादेश के एन्टी करप्शन कमीशन ने आरोप लगाया है कि शेख हसीना और उनके बेटे ने खूब रिश्वत खाई है और ये रिश्वत 5 अरब डॉलर की हो सकती है। ऐसे में इस प्रोजेक्ट पर काम नहीं होना चाहिए व शेख हसीना और उनके बेटे पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस होना चाहिए। लेकिन आपको बता दें कि शेख हसीना और उनके बेटे को फंसाने के चक्कर में बांग्लादेश ने रूस पर भी करप्शन का आरोप लगा दिया है। ऐसे में रूपपुर पावर प्लांट बना रही रूस की सरकारी कंपनी रोसोटोममोहम्मद यूनुस सरकार पर भड़क गई है। रोसोटोम ने बयान जारी करते हुए बांग्लादेश के आरोपों का खंडन किया है। रोसाटॉम ने कहा कि बांग्लादेश भ्रष्टाचार निरोधक आयोग की टिप्पणियां रूपपुर पावर न्यूक्लियर प्रोजेक्ट को कलंकित करने का प्रयास है। एक बयान में रोसाटॉम ने दोहराया कि 2. 65 बिलियन अमेरिकी डॉलर की रूपपुर परियोजना पारदर्शी है और वह अदालत में मामले का बचाव करने के लिए तैयार है। रोसाटॉम अपनी सभी परियोजनाओं में खुलेपन की नीति और भ्रष्टाचार से निपटने, पारदर्शी खरीद प्रणाली बनाए रखने के सिद्धांत के लिए प्रतिबद्ध है। बाहरी ऑडिट नियमित रूप से परियोजना की व्यावसायिक प्रक्रियाओं के खुलेपन की पुष्टि करते हैं। रोसाटॉम स्टेट कॉरपोरेशन अदालत में अपने हितों और प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए तैयार है। जहां तक बात भारत की खामोशी की है तो आपको बता दें कि बीते दिन ही बांग्लादेश ने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। लेकिन भारत ने इसका कोई जवाब नहीं दिया है। वैसे भी भारत जवाब क्यों दे? मोहम्मद यूनुस चुनी हुई सरकार के नेता नहीं हैं, उन्हें तो तब तक सत्ता में बिठाया गया है जब तक बांग्लादेश में चुनाव न हो जाये। ऐसे में भारत सरकार मोहम्मद यूनुस को जवाब देने के लिए बाध्य नहीं है।

रूस ने मार गिराया अजरबैजान का प्लेन ? 42 लोगों की मौत

एयरलाइंस क्रैश मामले में होश उड़ाने वाला खुलासा

अज़रबैजान का एक यात्री विमान कजाकिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 42 लोगों की मौत हो गई। लेकिन लोगों का मानना है कि यह पायलट की गलती या तकनीकी खराबी नहीं थी जिसके कारण यह त्रासदी हुई। अज़रबैजान ने दुर्घटना की आपराधिक जांच शुरू कर दी है, जबकि लोगों का आरोप है कि एयरलाइन रूस–यूक्रेन युद्ध की गोलीबारी में फंस गई थी। कुछ रिपोर्टों से पता चलता है कि रूसी विमान भेदी आग ने यात्री विमान को मार गिराया होगा, जबकि अन्य का कहना है कि यह खराब मौसम की स्थिति या अन्य कारणों से हो सकता है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लोगों की मौत पर शोक जताया है। विमान ने अजरबैजान की राजधानी बाकू से रूस के शहर ग्रोंजी के लिए उड़ान भरी थी। रूस की संघीय हवाई परिवहन एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि प्रारंभिक सूचना से पता चलता है कि विमान से एक पक्षी के टकराने के बाद पायलट ने विमान को अकताऊ की ओर मोड़ने का फैसला किया और आपात स्थिति में उसे उतारना पड़ा। अज़रबैजान एयरलाइंस का विमान अज़रबैजान के बाकू से रूस के चेचन गणराज्य के ग्रोन्ज़ी के लिए उड़ान भर रहा था। यह उस क्षेत्र से अपने मार्ग से हट गया जहां पिछले कुछ हफ्तों में रूस की वायु रक्षा ने यूक्रेनी ड्रोन से मुकाबला किया था। डायवर्जन के बाद विमान ने कैस्पियन सागर के पूर्वी तट के पास कजाकिस्तान के अक्टौ से 3 किलोमीटर दूर आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास किया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना के एक वीडियो में जेट में आग की लपटें उठती हुई, समुद्र तट से टकराते हुए और गहरा काला धुआं निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव सेंट पीटर्सबर्ग की यात्रा पर थे और वह दुर्घटना की खबर सुनकर अजरबैजान लौट आये। अलीयेव ने सोशल मीडिया पर एक बयान में पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि मैं बहुत दुख के साथ पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने 26 दिसंबर को अजरबैजान में शोक दिवस घोषित करने संबंधी एक आदेश पर भी हस्ताक्षर किए। रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं को बताया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अलीयेव से फोन पर बात की और अपनी संवेदना व्यक्त की। कजाखस्तान और अजरबैजान दोनों के अधिकारी इस दुर्घटना की जांच कर रहे हैं। विमान निर्माता कंपनी एंब्रेयर ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को दिए एक बयान में कहा कि कंपनी "सभी संबंधित अधिकारियों की सहायता के लिए तैयार है।

स्ट्राइक के 24 घंटे बाद बदला लेने उतरा तालिबान, घेर लिया पूरा पाकिस्तान!

इस्लामाबाद, एजेंसी। आपने वो पुरानी कहावत तो खूब सुनी होगी कि जैसा बोओगे वैसा काटोगे। दशकों तक पाकिस्तान ने अपने फायदे के लिए आतंकवाद को हवा दी। लेकिन अब वहीं आग उसके घर तक पहुंच गई है। अफगानिस्तान के साथ उसके रिश्तों में दरार बढ़ती जा रही है। हालिया एयर स्ट्राइक ने इस जंग को और भड़का दिया। दरअसल, हाल ही में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के अंदर एयरस्ट्राइक की। रिपोर्ट के अनुसार हमले में 40 से अधिक लोग मारे गए। जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। इस हमले ने अफगानिस्तान के तालिबान शासकों को भी नाराज कर दिया। तालिबान ने पाकिस्तान की इस कार्रवाई को एकतरफा और अनैतिक करार दिया। तालिबान के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान को ये नहीं भूलना चाहिए कि अफगानिस्तान ने कभी भी बाहरी हमलों को सहन नहीं किया है। हमने अमेरिका जैसी महाशक्तियों को पराजित किया है तो पाकिस्तान की औकात ही क्या है? आपको बता दें कि पाकिस्तान की सबसे कमजोर नस पर कई बार तालिबान चोट भी पहुंचा चुका है। डोरंड लाइन वो सीमा जो अफगानिस्तान और पाकिस्तान को अलग अलग करती है। ये लाइन हमेशा से विवादित रही है और तालिबान इसे मान्यता नहीं देता है। तालिबान का कहना है कि ये क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से अफगानिस्तान का हिस्सा रहा है। पाकिस्तान को अब डर है कि तालिबान इस मुद्दे को भूनाकर ग्रेटर अफगानिस्तान बनाने की कोशिश कर सकता है।

पाकिस्तान की सफाई

अफगानिस्तान सरकार से की गई शिकायतों के बावजूद टीटीपी आतंकवादी लगातार पाकिस्तान में आतंक फैला रहे हैं। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सामने कुछ ठोस सबूत भी पेश किए थे। लेकिन अब तक कोई पॉजिटिव डेवलपमेंट नहीं हुआ। हमलों का इरादा अफगान तालिबान के नजदीकी ठिकानों को निशाना बनाना था। हालिया आतंकवादी गतिविधियों के कनेक्शन अफगानिस्तान में आतंकवादी ठिकानों से जुड़े हुए हैं। अफगान तालिबान ने टीटीपी यानी पाकिस्तानी तालिबान के लड़ाकों को शरण दी है, जो पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में शामिल हैं।

अफगानिस्तान ने आरोपों को नकारा

पाकिस्तान ने तालिबान से टीटीपी आतंकवादियों को शरण देने का आरोप जरूर लगा रहा है, लेकिन तालिबान इसे सिरे से नकारता रहा है। पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक मारे गए लोगों में ज्यादातर वैसे वजिरिस्तान शरणार्थी थे जो पाकिस्तान में सैन्य कार्यवाही से भागकर अफगानिस्तान आए थे। आपको बता दें कि अफगानिस्तान पर ये हमला पाकिस्तान से लगने वाली सीमा के पास पख्तिका की पहाड़ी इलाकों में किया गया। हालांकि पाकिस्तान ने अब तक ये नहीं बताया कि पाकिस्तानी जेट्स सीमा पार करके अफगानिस्तान गए थे या नहीं। सच चाहे जो हो लेकिन सीधी बात ये है कि तालिबान से सीधी टक्कर लेना पाकिस्तान के लिए किसी बड़े खतरे की घंटी के समान है।

तिब्बत में दुनिया का सबसे बड़ा डैम बनाएगा चीन, क्यों बढ़ेगी भारत और बांग्लादेश की मुश्किलें?

चीन ने तिब्बती पठार के पूर्वी किनारे पर एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू करते हुए दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत बांध के निर्माण को मंजूरी दे दी है। चीन का ये कदम भारत और बांग्लादेश में लाखों लोगों को प्रभावित कर सकता है। भारत की ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत में पहुंचकर यारलुंग त्सांगपो के नाम से जानी जाती है। चीन के पावर कंस्ट्रक्शन कॉर्प द्वारा 2020 में उपलब्ध कराए गए एक अनुमान के अनुसार, बांध, जो यारलुंग ज़ंग्बो नदी की निचली पहुंच में स्थित होगा, सालाना 300 बिलियन किलोवाट–घंटे बिजली का उत्पादन कर सकता है। यह मध्य चीन में वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े, थ्री गोरजेस बांध की 88.2 बिलियन ी डिज़ाइन की गई क्षमता से तीन गुना अधिक होगी। यह परियोजना चीन के कार्बन शिखर और कार्बन तटस्थता लक्ष्यों को पूरा करने, इंजीनियरिंग जैसे संबंधित उद्योगों को प्रोत्साहित करने और तिब्बत में नौकरियां पैदा करने में प्रमुख भूमिका निभाएगी। यारलुंग ज़ंग्बो का एक खंड 50 किमी (31 मील) की छोटी अवधि के भीतर 2,000 मीटर (6,561 फीट) की ऊंचाई से गिरता है, जो विशाल जलविद्युत क्षमता के साथ–साथ अद्वितीय इंजीनियरिंग चुनौतियों का सामना करता है। इंजीनियरिंग लागत सहित बांध के निर्माण का परिव्यय, थ्री गोरजेस बांध से भी कम होने की उम्मीद है, जिसकी लागत 254.2 बिलियन युआन (+34.83 बिलियन) है। इसमें विस्थापित 1.4 मिलियन लोगों का पुनर्वास शामिल था और यह 57 बिलियन युआन के शुरुआती अनुमान से चार गुना अधिक था। अधिकारियों ने यह संकेत नहीं दिया है कि तिब्बत परियोजना कितने लोगों को विस्थापित करेगी और यह स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को कैसे प्रभावित करेगी, जो पठार पर सबसे समृद्ध और सबसे विविध में से एक है। हालांकि तिब्बत में इसका बड़े पैमाने पर जोरदार विरोध पूरे साल से जारी है। इसके बनते हुए न केवल कई धार्मिक और पवित्र मठ डूब जाएंगे बल्कि हजारों तिब्बतियों को विस्थापन झेलना होगा। चीन की ये परियोजना डेगे और जियांगडा में पैली घाटी तक लागू होगी। चीन के सक्त नियमों और कानूनों के बीच तिब्बत के विरोध का कुछ असर तो नहीं हुआ है। चीन ये डैम एक्जेक्ट कहां बनाएगा और कब इसे शुरू करेगा ये पूरी तरह से गोपनीय रखा जा रहा है।

इजराइल–हमास युद्धः गाजा में तंबू में रह रही बच्ची की ठंड के कारण मौत

इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के कारण गाजा में कड़ाके की ठंड में तंबू में रहने को मजबूर तीन सप्ताह की एक बच्ची की मौत हो गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इजराइल और हमास एक दूसरे पर युद्ध विराम समझौते को जटिल बनाने के आरोप लगा रहे हैं। चिकित्सकों ने बताया कि हाल के दिनों में गाजा में तंबुओं में रह रहे बच्चे की ठंड से मौत का यह तीसरा मामला है। इजराइल और हमास के बीच पिछले 14 महीने से जारी युद्ध ने भारी तबाही मचाई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल द्वारा गाजा पर की गई बमबारी और जमीनी हमलों में 45,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें से आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। इस युद्ध के कारण गाजा की करीब 23 लाख आबादी में से लगभग 90 प्रतिशत लोगों को कई बार विस्थापित होना पड़ा है। तंबुओं में रह रहे हजारों लोग ठंड शुरू होने के कारण ठिठुर रहे हैं। सहायता समूहों को भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएं पहुंचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सहायता समूहों के अनुसार, इन लोगों के पास कंबल और गर्म कपड़े तक नहीं हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।